संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-23 अंक- 57
पृष्ठ 8
शनिवार
14 नवम्बर 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- पाचन की समस्याओं को दूर...

विचार- चुनौतियों से मुंह छिपाती सरकार

खेल- चौथा वनडेः जिस पिच पर न्यूजीलैंड...

कर्नाटक को 15,600 करोड़ की सौगात

पीएम मोदी ने बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन और वंदे भारत एक्सप्रेस को दिखाई हरी झंडी

बेंगलुरु, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को बेंगलुरु मेट्रो की पिंक लाइन का उद्घाटन किया और बेंगलुरु–मंगलुरु–मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। प्रधानमंत्री ने कर्नाटक में 16,500 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन, शिलान्यास और लोकार्पण भी किया। प्रधानमंत्री ने आज दोपहर करीब 12.45 बजे मेट्रो की पिंक लाइन को हरी झंडी दिखाकर तवरेकेरे से आईआईएम बेंगलुरु मेट्रो स्टेशन तक यात्रा भी की। करीब 3,470 करोड़ रुपये की लागत से विकसित यह मेट्रो लाइन कलेना अग्रहारा से तवरेकेरे तक फैली है। इससे बेंगलुरु के शहरी परिवहन नेटवर्क को मजबूती मिलने, यात्रियों का सफर आसान होने और सड़क यातायात का दबाव कम करने की उम्मीद है। श्री मोदी ने वर्चुअल रूप से बेंगलुरु–मंगलुरु–मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस को भी हरी झंडी दिखाई। इस ट्रेन से कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु, तटीय कर्नाटक और गोवा के बीच



आधुनिक रेल संपर्क उपलब्ध होगा। यह ट्रेन हासन, सकलेशपुर, मंगलुरु, उडुपी, मुरुडेश्वर, गोकर्ण और कारवार सहित प्रमुख स्थानों पर रुकेगी और मडगांव तक जाएगी। इससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र में पर्यटन को भी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह वंदे भारत सेवा देश की सबसे लंबी अवधि वाली चेयर कार वंदे भारत ट्रेन होगी। यशवंतपुर से मडगांव तक इसकी यात्रा में 13 घंटे 20 मिनट लगेंगे, जबकि वापसी में मडगांव से यशवंतपुर पहुंचने में 12 घंटे 55 मिनट का समय लगेगा। इसकी औसत गति भी देश की अन्य वंदे भारत सेवाओं के मुकाबले सबसे कम होगी। बेंगलुरु से मडगांव की दिशा में औसत गति 54 किलोमीटर प्रति घंटा और वापसी में 53 किलोमीटर प्रति घंटा रहेगी। ट्रेन संख्या 26655 यशवंतपुर से सुबह 7.35 बजे रवाना होकर रात 8.55 बजे मडगांव पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 26656 मडगांव से सुबह 8.20 बजे चलकर रात 9.15 बजे यशवंतपुर पहुंचेगी। ट्रेन के नियमित परिचालन की शुरुआत 15 नवंबर से होगी। यह यशवंतपुर से बुधवार और मडगांव से गुरुवार को छोड़कर सप्ताह के बाकी सभी दिन चलेगी। इस मार्ग पर कुल 12 ठहराव होंगे। इनमें श्रवणबेलगोला, हासन, सकलेशपुर, सुब्रह्मण्य रोड, काबका पुत्तूर, मंगलुरु जंक्शन, उडुपी, कुंदापुरा, बिंदूर, मुरुडेश्वर, गोकर्ण रोड और कारवार शामिल हैं। श्री मोदी ने बेंगलुरु में आयोजित कार्यक्रम में बिजली पारेषण, नवीकरणीय ऊर्जा, पेट्रोलियम, कचरा प्रबंधन और रेलवे सहित विभिन्न क्षेत्रों की परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें कोप्पल–द्वितीय और गदग–द्वितीय में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों से बिजली पारेषण की करीब 4,450 करोड़ रुपये की परियोजना तथा बीदर में सौर ऊर्जा क्षेत्र से बिजली निकासी के लिए 1,370 करोड़ रुपये की परियोजना शामिल हैं। इनसे संबंधित क्षेत्रों में क्रमशः करीब दो गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा और 2.5 गीगावाट सौर ऊर्जा को बिजली ग्रिड तक पहुंचाने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री ने दावणगेरे–चित्रदुर्ग और बल्लारी के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों को जोड़ने वाली 3,450 करोड़ रुपये से अधिक की पारेषण परियोजना तथा दावणगेरे और बल्लारी में अतिरिक्त नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता के एकीकरण के लिए 1,100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजना की आधारशिला भी रखी। इसके अलावा मंगलुरु में 850 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से निर्मित देश की सबसे बड़ी भूमिगत एलपीजी भंडारण सुविधा भी राष्ट्र को समर्पित की गई। इसकी भंडारण क्षमता 80,000 टन है। परियोजना में न्यू मैंगलोर बंदरगाह को मुख्य टर्मिनल से जोड़ने वाली 9.4 किलोमीटर लंबी एलपीजी पाइपलाइन भी शामिल है। इसके अलावा, मंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) के 330 करोड़ रुपये की लागत से बने देवणगोंठी मार्केटिंग टर्मिनल को भी राष्ट्र को समर्पित किया गया। इससे राज्य में पेट्रोलियम उत्पादों के भंडारण और वितरण की क्षमता बढ़ेगी। श्री मोदी ने बेंगलुरु के हरलाकुंटे में गेल के संपीड़ित बायोगैस संयंत्र की आधारशिला रखी।

असम के काजीरंगा में भीषण सड़क हादसा

मिनी बस और कंटेनर ट्रक की टक्कर, 20 लोगों की मौत

काजीरंगा, एजेंसी। असम में काजीरंगा नेशनल पार्क के पास शुक्रवार को बड़ा सड़क हादसा हुआ। यहां एक मिनी बस और कंटेनर ट्रक की आमने–सामने टक्कर हो गई। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसा कोहोरा रेंज में राष्ट्रीय राजमार्ग–715 पर हुआ। यह घटना हाथीकुली टी एस्टेट के पास रंगाजन इलाके में हुई। यहां यात्रियों से भरी मिनी बस की कंटेनर ट्रक से टक्कर हो गई। गोलाघाट के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक स्वप्निल डेका ने पीटीआई को बताया, हमें शुरुआती जानकारी मिली है कि हादसे में कम से कम 20 लोगों की मौत हुई है। हम सभी मौके पर मौजूद हैं। बस से शवों को बाहर निकाला जा रहा है। इसलिए मरने वालों की संख्या बढ़ने की आशंका है। उन्होंने कहा कि बस में कुल कितने लोग सवार थे, इसकी सही जानकारी अभी नहीं मिली है। हालांकि, शुरुआती रिपोर्ट के मुताबिक बस में 35 से ज्यादा यात्री सवार थे। एक अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि घायलों को कोहोरा मॉडल अस्पताल ले जाया गया। गंभीर रूप से घायल ज्यादातर लोगों को बोकोखात और गोलाघाट के अस्पतालों में भेजा गया। कुछ घायलों को जोरहाट



मेडिकल कॉलेज और अस्पताल भी रेफर किया गया। अधिकारी ने बताया कि मरने वालों में दो महिलाएं हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से कई कॉलेज के छात्र थे। हादसे के समय वे अपनी कक्षाएं खत्म करके लौट रहे थे।

राहत और बचाव के लिए मौके पर कौन पहुंचा?

असम के पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री अतुल बोरा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। वह इसी इलाके के विधायक भी हैं। वह राहत और बचाव कार्यों की निगरानी कर रहे थे।

हादसे की वजह क्या है?

पुलिस अधिकारी ने बताया, बस बहुत तेज रफ्तार से चल रही थी। वह पार्क के पास लगाए गए गति संबंधी प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रही थी। हमें शक है कि मिनी बस के चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इसके बाद बस कंटेनर ट्रक से टकरा गई।

पीएम मोदी बोले, भारत के प्रयासों से Yoga को मिली वैश्विक पहचान

बेंगलुरु, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि भारत की पहल के कारण योग आज दुनियाभर में लोकप्रिय हो गया है और उनकी विदेश यात्राओं के दौरान लोग उनसे अक्सर योग के बारे में चर्चा करते हैं। प्रधानमंत्री ने यहां स्वामी विवेकानंद योग अनुसंधान संस्थान (एस–व्यास) के आवासीय मुख्यालय परिसर 'प्रशांति कुटीरम' के स्वर्ण जयंती समारोह में लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि योग अब भारत को समझने का माध्यम बन गया है और कई शाही परिवार पूरी तरह से इसके प्रति समर्पित हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें इस शहर में योग की अद्भुत ऊर्जा का अनुभव करने का मौका मिल रहा है। मोदी ने कहा कि भारत की पहल की वजह से ही पूरी दुनिया 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस' मनाती है। उन्होंने कहा, ''मैं जिस भी देश में जाता हूं, लोग दोपहर या रात के भोजन के दौरान मुझसे योग के बारे में चर्चा करते हैं।'' उन्होंने कहा कि कर्नाटक वह भूमि है जहां योग से जुड़े कई गुरुओं और विद्वानों का जन्म हुआ है।

एससीओ सम्मेलनः पाकिस्तान को भेजा गया न्यौता, केंद्रीय मंत्री बोले- उम्मीद है दिल्ली आएंगे पाकिस्तानी मेहमान

नई दिल्ली। भारत अब शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) को सिर्फ राजनीतिक और रणनीतिक मुद्दों तक सीमित नहीं रखना चाहता, बल्कि इसके जरिए अलग–अलग देशों की साझा सभ्यता, संस्कृति और विरासत को भी करीब लाने की पहल कर रहा है। इसी कड़ी में दिल्ली के ऐतिहासिक पुराना किला में 20 से 22 नवंबर तक एससीओ सिविलाइजेशनल डायलॉग फोरम का आयोजन किया जाएगा।

प्रधानमंत्री मेरा फोन टैप कर रहे हैं, करें आमने–सामने की बहस : राहुल

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनका फोन टैप कर रहे हैं और जो आरोप वह लगा रहे हैं, उन सभी के सबूत उसी फोन में मौजूद हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को फिर आमने–सामने की बहस की चुनौती दी और कहा कि इससे साबित हो जाएगा कि कौन विदेशी ताकतों के नियंत्रण में है और कौन देश विरोधी है। उनके पास इस संबंध में कई अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी हैं और ये सभी जानकारियां उनके फोन में हैं। श्री गांधी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक अन्य पोस्ट में श्री मोदी पर निशाना साधते हुए लिखा, मोदी जी, अपने ही गोदी मीडिया के दिवाली मिलन में भी टेलीप्रॉम्प्टर। लोग आपके, मंच आपका, माहौल



आपका–फिर भी स्क्रिप्ट चाहिए थी। लगता है दबाव में घबरा गए हैं। खैर, कोई बात नहीं। मुझसे बहस में भी टेलीप्रॉम्प्टर ले आइए, जज भी अपनी पसंद का बैठा लीजिए। बस आइए तो सही। देश जानना चाहता है– असली देशद्रोही कौन है। कांग्रेस नेता ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) संसद में बहस की बात करती है, लेकिन जब भी उन्होंने संसद में मुद्दे उठाने की कोशिश की तब उनका माइक बंद कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान विधेयक, वोट चोरी, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), चीन, पूर्व सेनाध्यक्ष मनोज मुकुंद नरवणे की किताब और एपस्टीन से जुड़े मुद्दों पर उन्हें संसद में बोलने नहीं दिया गया। श्री गांधी ने कहा कि वह भाषण वाली बहस नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री के साथ आमने–सामने की चर्चा चाहते हैं। इसमें एक तरफ श्री मोदी और दूसरी तरफ वह स्वयं बैठेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उन पर आरोप लगाते हैं और वह भी उन पर आरोप लगा रहे हैं।

प्रियंका गांधी बोलीं, परिसीमन विधेयक पर संसद सत्र की विपक्ष को कोई जानकारी नहीं

वायनाड, एजेंसी। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को कहा कि प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पारित कराने के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की केंद्र सरकार की किसी योजना के बारे में विपक्षी दलों को जानकारी नहीं दी गई है। प्रियंका बुधवार से शुरू हुए अपने चार दिवसीय दौरे के तहत अपने निर्वाचन क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं।

संसद का विशेष सत्र बुलाकर प्रस्तावित परिसीमन विधेयक पर चर्चा किए जाने की योजना संबंधी खबरों के बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, सरकार ने हममें से किसी को इसकी सूचना नहीं दी है। इसलिए, यदि वे इसकी योजना बना रहे हैं तो मुझे नहीं पता। फिलहाल मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है।

ट्रेनों में खत्म होगा आरएसी टिकट! एक बर्थ पर दो यात्री नहीं बैठेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रेलवे रिजर्वेशन अगेंस्ट कैंसिलेशन (RAC) सुविधा को खत्म करने की संभावना पर विचार कर रहा है। यह दशकों पुरानी एक ऐसी व्यवस्था है, जिसमें दो यात्रियों को पूरा किराया देने के बावजूद एक ही बर्थ साझा करनी पड़ती है। इस कदम पर विचार यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। साथ ही, यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि क्या यह व्यवस्था उन यात्रियों के लिए उचित है, जिन्हें पूरा किराया देने के बावजूद सोने के लिए पूरी बर्थ नहीं मिलती है। एक अधिकारी ने आरएसी को बताया,



कुछ लोगों का मानना है कि जब यात्री को सोने के लिए पूरी जगह नहीं मिल रही है, तो उससे पूरा किराया वसूलना शायद सही नहीं है। यह प्रस्ताव एक संसदीय समिति द्वारा जताई गई चिंताओं के बाद आया है। समिति ने इस बात पर सवाल उठाया है कि जब आरएसी टिकट वाले यात्रियों को साझा बर्थ दी जाती है, तो उनसे पूरा किराया क्यों वसूला जाता है। आरएसी टिकटों को लेकर एक मुख्य चिंता यह है कि यात्रियों से पूरा किराया लिया जाता है, जबकि उन्हें कोई अलग बर्थ नहीं मिलती। मौजूदा व्यवस्था के तहत, दो आरएसी यात्रियों को एक ही साइड–लोअर बर्थ दी जाती है; दिन के समय इसे बैठने की जगह में बदल दिया जाता है, और रात में सोने के लिए दोनों यात्री इसे साझा करते हैं। जब एक पुरुष और एक महिला यात्री को एक ही बर्थ आवंटित कर दी जाती है, तो इससे असहजता पैदा हो सकती है।

PRESS
हमेशा आपके साथ

दैनिक एवं साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र

शहर समता
संयम ★ संस्कार ★ संतुलन

Website
www.shaharsamta.com

Subscribe on YouTube
youtube.com/@shaharsamtanews

सही खबर, सही समय पर

स्थापित 2001 • RNI Dainik UPHIN/2004/22466 • साप्ताहिक UPHIN/2001/03996 • कार्यालय 289/238 A कर्नलगंज प्रयागराज • संपर्क 9005239332, 9450482227

धूमनगंज में पुलिस कमिश्नर की तड़के छापेमारी, स्मैक बेचने के आरोप में कई लोग पकड़े गए

प्रयागराज। प्रयागराज में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने खुद मोर्चा संभाला। गोपनीय जांच के बाद ताड़बाग में तड़के छापेमारी की गई। स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला–पुरुष पकड़े गए हैं। शहर में नशे के कारोबार के खिलाफ पुलिस कमिश्नर पीयूष मोर्डिया ने बड़ी कार्रवाई की है। धूमनगंज थाना क्षेत्र के ताड़बाग इलाके में गोपनीय जांच के बाद पुलिस कमिश्नर ने शुक्रवार सुबह खुद छापेमारी की।



इस दौरान स्मैक बेचने के आरोप में कई महिला और पुरुषों को पकड़ा गया है। कार्रवाई के दौरान मौके से भारी मात्रा में स्मैक बरामद होने की जानकारी सामने आई है। पुलिस पकड़े गए लोगों से पूछताछ कर नशे के कारोबार से जुड़े माफिया और उनके नेटवर्क का पता लगाने में जुटी है। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में हड़कंप मच गया।

नवाबगंज में ट्रैक्टर चालक का खेत में मिला शव, हत्या की आशंका, छानबीन में जुटी पुलिस

प्रयागराज। रात में खेत की जुताई करने निकले ट्रैक्टर चालक का शव शुक्रवार सुबह खेत में मिला। शरीर पर चोट के निशान और घटनास्थल से मिले टूटे बटन व चप्पल ने घटना को संदिग्ध बना दिया है। थाना क्षेत्र के दुबरा जगदीशपुर गांव में शुक्रवार सुबह ट्रैक्टर चालक का शव खेत में मिलने से सनसनी फैल गई। उसके शरीर पर चोट के निशान मिलने से हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी। दुबरा जगदीशपुर निवासी भाई लाल प्रजापति (50) पुत्र बांकेलाल खेती करने के साथ ट्रैक्टर चलाते थे। बृहस्पतिवार रात वह खेत की जुताई करने के लिए घर से निकले थे। शुक्रवार सुबह करीब पांच बजे दूसरे ट्रैक्टर का चालक खेत में हरी खाद डालने पहुंचा तो भाई लाल का शव खेत में पड़ा मिला। उनका ट्रैक्टर घटनास्थल से करीब 25 मीटर दूर खड़ा था।

शव मिलने की जानकारी होते ही ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो मृतक के मुंह पर चोट के कई जाहिरा निशान मिले। घटनास्थल से उनका एक चप्पल और शर्ट का टूटा हुआ बटन भी बरामद हुआ। इन परिस्थितियों को देखते हुए हत्या की आशंका जताई जा रही है। सूचना पर फॉरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और साक्ष्य एकत्र किए। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

एक सप्ताह से पाइपलाइन खराब, पानी का संकट गहराया

प्रयागराज। क्षेत्र की ग्राम पंचायत पिपरांव में पाइपलाइन पिछले एक सप्ताह से खराब पड़ा है। इससे ग्रामीणों को पानी के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि जल निगम की व्यवस्था लंबे समय से बदहाल है, जहां नियमित चौकीदार, परिचालक या जेई नहीं हैं। जब भी पाइपलाइन में खराबी आती है, उसे ठीक कराने में महीनों लग जाते हैं। विनोद सिंह के अनुसार, महीने में दो बार लीकेज होता है और शिकायत पर फोन भी नहीं उठाया जाता। दिनेश सिंह, भोला सिंह समेत अन्य ग्रामीणों ने व्यवस्था दुरुस्त न होने पर जिलाधिकारी का घेराव करने की चेतावनी दी है। ग्रामीणों ने प्रशासन से स्थायी परिचालक और कर्मचारियों की तैनाती तथा लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की मांग की है। जेई अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि एक–दो दिन में समस्या का समाधान कर दिया जाएगा।

डाला छठ पर्वः नहाय–खाय के साथ शुरू हुआ सूर्य की उपासना का महापर्व

प्रयागराज। सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व डाला छठ नहाय–खाय के साथ शुक्रवार से सुरू हो गया। गंगा–यमुना के घाटों पर स्नान और पूजन के लिए व्रतियों की भीड़ जुटी। सोमवार को उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देने के साथ अनुष्ठान पूरा होगा। सूर्य उपासना का चार दिवसीय महापर्व डाला छठ शुक्रवार को नहाय–खाय के साथ शुरू हुआ। पहले दिन व्रती गंगा और यमुना में स्नान कर शुद्धता और सात्विकता के साथ व्रत का संकल्प लिया। घरों में अरवा चावल, चने की दाल और कद्दू की सब्जी तैयार की गई। कद्दू–भात ग्रहण करने के साथ ही छठी मइया की आराधना का कठिन अनुष्ठान शुरू हुआ। मीरापुर स्थित शिव मंदिर के आचार्य धीरज पांडे के अनुसार, छठ पर्व में नहाय–खाय का विशेष महत्व है। इसे तन और मन की शुद्धि के साथ महापर्व की शुरुआत माना जाता है। इस दिन व्रती घरों की साफ–सफाई से लेकर भोजन बनाने और ग्रहण करने तक विशेष नियमों का पालन करते हैं। भोजन पूरी तरह सात्विक तरीके से तैयार होता है और शुद्धता का विशेष ध्यान रखा जाता है। मान्यता है कि नहाय–खाय से शुरू होने वाला यह अनुष्ठान परिवार की सुख–समृद्धि और संतान की खुशहाली के लिए किया जाता है।

शनिवार को खरना के साथ व्रत का दूसरा चरण शुरू होता है। व्रती दिनभर उपवास रखते हैं और शाम को गुड़ की खीर व रोटी का प्रसाद तैयार करते हैं। छठी मइया को भोग लगाने के बाद प्रसाद ग्रहण करते हैं। इसके साथ ही 36 घंटे का निर्जला व्रत शुरू हो जाता है। इस दौरान संतान की दीर्घायु और परिवार के कल्याण की कामना की जाती है। रविवार को व्रती अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य देते हैं। इस बार रविवार को ही संध्या अर्घ्य का पर्व पड़ने से विशेष संयोग बनता है। व्रती घाटों पर पहुंचकर दूध और गंगाजल से सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करते हैं।

पदनाम परिवर्तन और वेतन विसंगति दूर करने को फार्मासिस्टों का धरना

प्रयागराज। अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या के बावजूद फार्मासिस्टों के पद नहीं बढ़ने और वेतन विसंगतियों को लेकर कर्मचारियों का आक्रोश सामने आया है। प्रयागराज में धरने के बाद अब 20 नवंबर को लखनऊ में प्रदर्शन की तैयारी है। मांगें पूरी नहीं होने पर अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है। पदनाम परिवर्तन, वेतन विसंगतियों को दूर करने और स्वास्थ्य विभाग में नए पदों के सृजन की मांग को लेकर डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन उत्तर प्रदेश की प्रयागराज इकाई ने सीएमओ कार्यालय पर धरना दिया।

प्रयागराज जिलाध्यक्ष समेत युवा कांग्रेस के 68 पदाधिकारी निलंबित, दिल्ली रैली में न पहुंचने पर गिरी गाज

प्रयागराज। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली से दूरी बनाना उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के 68 पदाधिकारियों को भारी पड़ गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने प्रयागराज जिलाध्यक्ष समेत 68 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया।

दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित रैली में शामिल नहीं होने पर उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस के 68 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। पार्टी ने इसे गंभीर अनुशासनहीनता मानते हुए कार्रवाई की है। इसे प्रदेश में संगठन की अब तक की बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है।



निलंबित पदाधिकारियों में प्रयागराज के जिलाध्यक्ष सौरभ पांडेय समेत 12 जिलाध्यक्ष शामिल हैं। इनके अलावा प्रयागराज के जितेश कुमार मिश्रा समेत तीन प्रदेश उपाध्यक्ष, जिले के निशांत रस्तोगी और अनुभव सिंह समेत 33 प्रदेश महासचिव तथा आयुष मौर्य समेत 18 प्रदेश सचिवों पर कार्रवाई की गई है।

इसके अलावा एक संयुक्त सचिव और एक सोशल मीडिया कोऑर्डिनेटर को भी निलंबित किया गया है। युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने रैली में अनुपस्थिति को घोर अनुशासनहीनता मानते हुए यह कार्रवाई की है।

रैली से दूरी बनानी भारी पड़ी

कांग्रेस नेताओं को रैली से दूरी बनानी भारी पड़ गई। पार्टी ने इसे गंभीरता से लेते हुए कार्रवाई की है। इससे पदाधिकारियों में खलबली मच गई है।

डीएपी के लिए किसानों ने किया हंगामा, गोदाम पर चले ईंट–पत्थर

प्रयागराज। डीएपी खाद की किल्लत से परेशान किसानों का आक्रोश बृहस्पतिवार को फूट पड़ा। घंटों इंतजार के बाद भी खाद नहीं मिलने पर उन्होंने हंगामा कर दिया। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और गोदाम पर ईंट–पत्थर चलने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने काफी मशक्कत के बाद किसानों को शांत कराया। इसके बाद पुलिस की निगरानी में खाद का वितरण किया गया।

बहरिया के कहली साधन सहकारी समिति पर खाद के लिए सुबह से ही बड़ी संख्या में किसान गोदाम पहुंच गए थे। किसान अपनी बारी के इंतजार में घंटों कतार में खड़े रहे।



किसानों का कहना था कि समय पर खाद उपलब्ध नहीं हुई तो गेहूं और आलू की बोआई प्रभावित होगी। इसी बीच खाद वितरण को लेकर किसानों और समिति सचिव के बीच कहासुनी शुरू हो गई। ग्रामीणों ने समिति सचिव पर खाद वितरण में अनियमितता का आरोप लगाया। उनका कहना था कि सचिव अपने कुछ चहेते लोगों को 10 से 12 बोरी तक डीएपी दे रहे थे, जबकि आम किसान घंटों लाइन में खड़े रहने के बावजूद खाद के लिए परेशान थे। इस भेदभाव से नाराज किसान हंगामा करने लगे।

किसान रंजीत कुमार ने खाद वितरण में मनमानी का आरोप लगाया। वहीं विजय बहादुर और तुलसीराम ने कहा कि रुपये देने के बावजूद उन्हें खाद नहीं मिल रही थी। मामला बिगड़ता देख समिति सचिव कृष्ण कुमार पटेल ने मऊआइमा पुलिस को सूचना दी। पुलिस के हस्तक्षेप के बाद स्थिति सामान्य हुई और खाद वितरण शुरू कराया गया। मऊआइमा थाना प्रभारी जगदीश कुशवाहा ने बताया कि ईंट–पत्थर चलने की जानकारी नहीं है। सचिव ने खाद वितरण के दौरान व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस का सहयोग मांगा था। पूरे मामले की जांच कराई जा रही है।

गोदाम पर ईंट–पत्थर चले थे लेकिन किसी को चोट नहीं आई। पुलिस की निगरानी में खाद का वितरण कराया गया। –कृष्ण कुमार पटेल, सचिव, साधन सहकारी समिति, कहली

डीएपी की किल्लत से किसान परेशान

डीएपी की किल्लत से किसानों के सामने आलू और गेहूं की बोआई पर संकट गहरा गया है। सहकारी समितियां में किसानों की मांग की अपेक्षा उर्वरक नहीं मिल पा रही है। ऐसे में किसान बाजार से डीएपी खरीद रहे हैं। किसानों ने बताया कि स्थानीय बाजारों में किसानों को डीएपी 1800 रुपये मिल रही है, वह भी असली की कोई गारंटी नहीं है।

कौड़िहार सहायक विकास अधिकारी सहकारिता धीरज कुमार ने बताया कि आलू और गेहूं की बोआई को लेकर किसानों को डीएपी खाद की अधिक आवश्यकता रहती है। कौड़िहार और शृंग्वेरपुर की सभी सहकारी समितियों में डीएपी उपलब्ध कराने का प्रयास किया जारी है।

सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन में फिर बन सकेंगी ग्रुप हाउसिंग, 200 वर्गमीटर की बाध्यता खत्म

प्रयागराज। प्रयागराज के सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन में ग्रुप हाउसिंग और बहुमंजिला इमारतों के निर्माण का रास्ता फिर खुलने जा रहा है। महायोजना–2031 में संशोधन के प्रस्ताव को शासन की सहमति मिल गई है। इसके तहत 200 वर्ग मीटर से छोटे भूखंडों पर भी निर्माण और 7.50 मीटर से अधिक ऊंचाई के आवासीय भवन बनाने की अनुमति मिल सकेगी। पीडीए ने प्रस्ताव पर आम लोगों से 15 दिनों के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे हैं।

सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन में समूह आवास (ग्रुप हाउसिंग) व बहुमंजिला इमारतों के निर्माण का रास्ता फिर से साफ हो गया है। महायोजना–2031 में संशोधन के साथ इन प्रतिबंधों को हटाने के लिए शासन ने सहमति दे दी है। पुरानी व्यवस्था लागू करने के लिए आम लोगों से आपत्तियां एवं सुझाव आमंत्रित किए गए हैं।

महायोजना–2031 में सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन में निर्माण संबंधी कई प्रतिबंध लगा दिए जाने से आम जनता को समस्या हो रही है। लोगों की समस्या को देखते हुए प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने इन प्रतिबंधों को हटाते हुए महायोजना–2031 में संशोधन का प्रस्ताव शासन को प्रेषित किया था। इस पर शासन ने सहमति दे दी है।



संशोधन के बाद अब सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन के आवासीय क्षेत्रों में 200 मीटर से कम क्षेत्रफल के भूखंड पर भी निर्माण अनुमन्य होगा और पीडीए से नक्शा स्वीकृत की सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर प्राप्त होंगे। जिससे नक्शा पास कराने के लिए पीडीए में आए आवेदन अब तक लंबित हैं। संशोधन के बाद ग्रुप हाउसिंग के निर्माण का रास्ता साफ होते ही आम लोगों के लिए अपना घर खरीदने का विकल्प बढ़ जाएगा।

अब लोगों से आपत्तियां एवं सुझाव मांगे गए हैं जो पीडीए के उपाध्यक्ष को संबोधित व लिखित रूप से तीन प्रतियों में प्रेषित किए जाने हैं। यह भी स्पष्ट किया गया है कि केवल उन्हीं आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार किया जाएगा जो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 15 दिनों के अंदर प्राप्त होंगे।

संशोधन से आम लोगों को क्या लाभ होगा

संशोधन के बाद अब सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन और टैगोर टाउन के आवासीय क्षेत्रों में 200 मीटर से कम क्षेत्रफल के भूखंड पर भी निर्माण अनुमन्य होगा और पीडीए से नक्शा स्वीकृत किया जा सकेगा। खास यह कि संशोधन के बाद आवासीय भवनों की ऊंचाई 7.50 मीटर से अधिक हो सकेगी जबकि पहले आवासीय भवनों की अधिकतम ऊंचाई 7.50 मीटर निर्धारित की गई थी।

घर खरीदने का बढ़ेगा विकल्प

संशोधन से आम लोगों के लिए घर खरीदने का विकल्प भी बढ़ेगा। महायोजना–2031 में जब यह प्रतिबंध लगा था तो उस वक्त कई बिल्डरों ने जॉर्जटाउन, टैगोर टाउन व सिविल लाइंस में बहुमंजिला ग्रुप हाउसिंग के लिए पीडीए में आवेदन किए थे लेकिन महायोजना में ग्रुप हाउसिंग और बहुमंजिला इमारतों के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया गया

प्रमुख द्वार की दिशा पर राहत मिलने के आसार

महायोजना–2031 में सिविल लाइंस, जॉर्जटाउन व टैगोर टाउन के लिए यह प्रावधान भी कर दिया गया था कि मुख्य मार्ग पर किसी भी भवन का प्रमुख द्वार नहीं होगा। यदि विशेष परिस्थितियों में प्रमुख द्वार मुख्य मार्ग पर खोलना अनिवार्य हो तो निर्माता को अपने भू–भाग से न्यूनतम नौ मीटर चौड़ी सर्विस लेन देनी होगी। इससे भवन निर्माता को नुकसान हो रहा था लेकिन अब राहत मिलने के आसार हैं। साथ ही अब नौ मीटर से कम पर भी निर्माण हो सकेगा और इमारतों के निर्माण में सेट बैक भी पीडीए के बाइलॉज के अनुसार छोड़ना होगा।

महानंदा दिसंबर से फरवरी तक 25 दिन रहेगी निरस्त

प्रयागराज। सर्दियों में कोहरे का असर रेल परिचालन पर दिखने लगा है। रेल प्रशासन ने दिसंबर से फरवरी तक सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस के 25 फेरे निरस्त करने का निर्णय लिया है। जनवरी और फरवरी में भी कई तारीखों पर यात्रियों को इस ट्रेन की सुविधा नहीं मिलेगी। रेल प्रशासन ने कोहरे के संभावित मौसम में गाड़ी (15484) सिक्किम महानंदा एक्सप्रेस के फेरों में कमी करेगा। यह आंशिक निरस्तीकरण दिसंबर से फरवरी 2027 तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान 25 दिन ट्रेन निरस्त रहेगी। यह ट्रेन 04, 07, 11, 14, 18, 21, 25 और 28 दिसंबर को निरस्त रहेगी।

राइस मिल की दीवार तोड़कर 30 लोग जबरन घुसे

प्रयागराज। क्षेत्र के खपटिहा गांव में बुधवार दोपहर एक राइस मिल में जबरन घुसने का मामला सामने आया है। करीब 30 लोगों ने मिल की दीवार तोड़कर परिसर में प्रवेश किया। मिल



मालिक राजबली ने आरोप लगाया कि 11 नवंबर को शारदा प्रसाद अपनी पुत्री समेत करीब 30 लोगों के साथ मिल पर पहुंचे।

उन्होंने दीवार तोड़कर जबरन परिसर में प्रवेश किया और अंदर बैठ गए। विरोध करने पर राजबली और उनके भाई ओमप्रकाश को जान से मारने की धमकी दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस के साथ भी कुछ लोगों ने कहासुनी और छीनाझपटी की कोशिश की। स्थिति बिगड़ती देख थानाध्यक्ष खीरी वीर प्रताप सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने काफी मशक्कत के बाद हालात पर काबू पाया। पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है।

जगतपुर में युवक की मौत, आरोपी डाक्टर के खिलाफ दी तहरीर



प्रयागराज। उतरांव के बिझवनिया गांव में बुधवार शाम संजय कुमार (40) की मौत हो गई। आरोप है कि वह सिर दर्द के इलाज के लिए डॉक्टर के पास गया था। आरोप है कि डॉक्टर ने उसे इंजेक्शन लगाया। जहां थोड़ी देर बाद उसकी मौत हो गई। मृतक के पिता ने आरोपी के खिलाफ तहरीर दी है। थानाध्यक्ष राकेश कुमार वर्मा ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर कार्रवाई की जाएगी।

ट्रेन की चपेट में आने से युवक की गई जान

प्रयागराज। कुखुड़ी गांव के सामने बृहस्पतिवार सुबह डीएफसी रेल लाइन पर ट्रेन की चपेट में आने से 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मोबाइल फोन के जरिये युवक की पहचान की। मेजा के केवटहिया रामनगर निवासी बबलू कुशवाहा (25) बुधवार शाम मांडाखास निवासी अपनी चचेरी बहन सुनीता पत्नी राजेश के घर आया था। बृहस्पतिवार सुबह करीब सात बजे वह घर जाने की बात कहकर वहां से निकला था। सुबह करीब दस बजे कुखुड़ी गांव के सामने डीएफसी रेल लाइन पर उसका शव पड़ा मिला।

सूचना पर पहुंची मांडा पुलिस ने शव के पास मिले मोबाइल फोन के माध्यम से उसकी पहचान की। बबलू तीन भाइयों में सबसे छोटा था। वह अविवाहित था और मेहनत–मजदूरी कर परिवार का सहयोग करता था। मांडा थाना प्रभारी कुलदीप शर्मा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खनन कारोबारी की मौत के मामले में परिजनों ने थाना घेरा

प्रयागराज। अशोक नगर चौराहे के निकट सोमवार रात बरचनपुर गांव के मिट्टी खनन कारोबारी रोहित यादव की ट्रैक्टर की चपेट में आने से मौत हो गई थी। मृतक के पिता ने हत्या



का आरोप लगाते हुए सोरांव पुलिस को तहरीर दी थी। पुलिस ने गोरापुर निवासी पवन के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के मुताबिक पोस्टमार्टम रिपोर्ट में इसे एक दुर्घटना बताया गया है। हालांकि, 33 वर्षीय रोहित यादव के परिजनों ने इसे हत्या का मामला बताया है। परिजनों ने दर्ज प्राथमिकी में आरोपी के विरुद्ध हत्या की धाराएं जोड़ने की मांग की है। इसी मांग को लेकर बृहस्पतिवार शाम को ग्रामीणों ने सोरांव थाने का घेराव किया।

बेटी की शादी की तैयारी में निकले पिता की हादसे में मौत

प्रयागराज। बहरिया के कहली गांव के पास तेज रफ्तार बाइक सवार की चपेट में आने से साइकिल सवार 57 वर्षीय अधेड़ को जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। घर में बेटी की शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। मऊआइमा के बेनीपुर उर्फ पूर्व रिसाल गांव निवासी राम सुमेर पाल घर से साइकिल लेकर कहली बाजार कपड़ा सिलवाने जा रहे थे। उनकी बेटी की शादी 29 तारीख को है। शादी को लेकर घर में तैयारियां चल रही थीं। कहली गांव के पास तेज रफ्तार बाइक सवार की चपेट में आने से वह घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास के लोगों ने उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई।

बंगलिया–पाली मार्ग ध्वस्त, गड्ढों और धूल से लोग परेशान

प्रयागराज। क्षेत्र के राजापुर–भंजनपुर मार्ग से पाली को जोड़ने वाला बंगलिया–पाली लिंक मार्ग पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। सड़क पर बड़े गड्ढे हो गए हैं। उड़ती धूल से आसपास के घरों में रहना दूभर हो गया है। यह मार्ग मांडा क्षेत्र के कई गांवों को मिर्जापुर के पाली चौराहे से जोड़ता है। रोजाना सैकड़ों ग्रामीण, स्कूली बच्चे और वाहन इस मार्ग से गुजरते हैं। गड्ढों से लोगों की हड्डियों में दर्द और दोपहिया वाहन सवारों को चोटें लग रही हैं। ग्रामीणों ने बताया कि क्रशर प्लांट की ट्रकों से ध्वस्त हुए इस मार्ग की शिकायत के बावजूद मरम्मत नहीं हुई है। स्थानीय निवासी राजेंद्र सिंह, अरविंद बिंद, संजय तिवारी, उज्ज्वल, ऋषिकेश और दीपक सिंह ने जिला प्रशासन से इस जर्जर मार्ग को पक्की सड़क में बदलवाने की मांग की है।

लखनऊ शांति और सामरिक शक्ति का प्रतीक : राजनाथ

रक्षा मंत्री ने ब्रह्माकुमारीज के नवनिर्मित दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण किया

मन को जीतना ही श्रेष्ठ विजय-ब्रजेश

लखनऊ, संवाददाता। उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि तन और मन के बीच हमेशा युद्ध चलता है, मन को जीतना ही श्रेष्ठ विजय है। ब्रह्माकुमारीज लखनऊ की सब–जोन इंचार्ज राजयोगिनी बीके राधा दीदी ने स्वागत करते हुए कहा कि प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना के 90 वर्ष पूर्ण होने, लखनऊ में संस्था की आध्यात्मिक सेवाओं के 72 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में नवदशकोत्सव मनाया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिव्य संस्कृति भवन का लोकार्पण एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।



लखनऊ, संवाददाता। देश के रक्षा मंत्री और लखनऊ के सांसद राजनाथ सिंह ने लखनऊ को आध्यात्मिक शांति और सामरिक शक्ति का अनूठा संगम बताया। उन्होंने कहा कि शहर ब्रह्माकुमारीज की शांति और ब्रह्मोस के शौर्य दोनों का प्रतीक है। ब्रह्माकुमारीज की स्थापना के 90 वर्ष और लखनऊ में उनकी उपस्थिति के 72 वर्ष पूरे होने के अवसर पर कार्यक्रम में रक्षामंत्री ने विकसित भारत के सपने में लखनऊ के योगदान की सराहना की।उन्होंने कहा कि जहां भारत विभिन्न क्षेत्रों में वैश्विक मील के पत्थर हासिल कर रहा है, वहीं हमारे आंतरिक जगत में आत्मनिरीक्षण महत्वपूर्ण है। बोले, हम अपने आंतरिक जगत में क्या हो रहा है, इस पर पकड़ नहीं बना पा रहे हैं। सोचना चाहिए कि क्या बाहरी दुनिया में आगे बढ़ते हुए हम अपने आंतरिक जगत में पिछड़ रहे हैं। ब्रह्माकुमारीज का महत्व ऐसे में और भी बढ़ जाता है।ष उन्होंने सिंध में एक छोटी आध्यात्मिक पहल से वैश्विक आंदोलन तक ब्रह्माकुमारीज की यात्रा को स्वीकार किया और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका, विशेषकर महिलाओं के योगदान की प्रशंसा की।उन्होंने कहा कि देश कानूनों से नहीं, चरित्र से चलता है और समाज में केवल अच्छे संस्कार ही विश्वास पैदा कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए आध्यात्मिक विकास, केवल व्यक्ति की मुक्ति का मार्ग नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय चरित्र के निर्माण का मार्ग है। रक्षा मंत्री ने कहा, हम 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य सामने रखकर कार्य कर रहे हैं। हमारे लिए विकसित भारत का अर्थ केवल पांच हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था नहीं है। वह उसका एक महत्वपूर्ण घटक अवश्य है, लेकिन विकसित भारत का हमारा सपना इससे कहीं व्यापक है।ष्उन्होंने कहा कि लखनऊ में एक महत्वपूर्ण ब्रह्मोस सुविधा है, जो उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत एक प्रमुख परियोजना है, जो उन्नत मिसाइल प्रणालियों की पूर्ण असेंबली, एकीकरण और परीक्षण के लिए जिम्मेदार है। यह सुविधा शहर के सामरिक महत्व को रेखांकित करती है। उन्होंने गुलजार उपवन में दिव्य संस्कृति भवन का भी उद्घाटन किया, जिससे लखनऊ के सांस्कृतिक और सामरिक महत्व का मिश्रण और मजबूत हुआ। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र के कार्यक्रम में सवाल किया कि 21वीं सदी के भारत में आध्यात्मिकता का क्या स्थान होगा। उन्होंने इसका जवाब देते हुए कहा कि देश ऐसे दौर में है जहां अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ रही है, स्पेस में पहुंचने के साथ आर्टिफिशल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में दखल बढ़ रहा है लेकिन यदि मन पर नियंत्रण नहीं है तो सब बेकार है। ऐसे में ब्रह्मकुमारीज का महत्व बढ़ जाता है, क्योंकि वह मन की जीतने की कला सिखा रहे हैं। जोर देकर कहा कि भारत आध्यात्मिकता के साथ चलकर ही विकसित होगा और विश्व गुरु बनेगा। सुलतानपुर रोड पर गुलजार उपवन में शुक्रवार को शदिव्य संस्कृति भवनश का लोकार्पण के बाद रक्षामंत्री ने कहा कि आध्यात्मिकता का अर्थ स्वयं के शरीर से आगे देखना है। तनाव, चिंता व प्रमाद आध्यात्मिक चेतना के प्रकाश से ही दूर होगा। यह चेतना लोगों को संसार से विरक्त नहीं करती समाज का जिम्मेदार नागरिक बनाती है। लखनऊ में एक ओरब्रह्मकुमारीज की शांति है तो दूसरी ओर ब्रह्मोस की शक्ति भी है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में राजनाथ सिंह के साथ उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भावों की दरिया बहे

(छप्पय)

मन के अन्दर मैल इबादत हरि की करते।
चढ़ा पुष्प का गुच्छ भाव भौतिक ही भरते।
बाहर उजला रूप हृदय में कपट समाया।
शुचिता बिन संभव नहीं भावों की दरिया बहे।
प्रभु संदर्भित हर कथा मात्र यही बातें कहे।।

भ्रमित हुआ इंसान अहं को साथी कहके।
खुद को कहे महान ज़मीं से ऊपर उठ के।
है माटी की देंह साँस की अनुपम शाला।
भूल गया यह बात हवा में उड़ने वाला।
न्याय धर्म की राह पर चलना जीवन–धर्म है।
धरती पर इसके सिवा शेष सभी कुछ व्यर्थ है।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

सीएमपी डिग्री कॉलेज में मुक्तिबोध स्मृति संगोष्ठी का आयोजन

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज हिंदी विभाग द्वारा आज मुक्तिबोध स्मृति संगोष्ठी 'अंधेरे में: कितना पास कितना दूर' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्य वक्ता के रूप में रामजी राय प्रधान संपादक समकालीन जनमत एवं विशिष्ट वक्ता बसंत त्रिपाठी एवं वंदना चौधरी आमंत्रित थे।

अतिथियों का स्वागत हिंदी विभाग की संयोजिका प्रो सरोज सिंह ने किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में त्रिपाठी ने बोलते हुए मुक्तिबोध की कविता को समकालीन संदर्भों से जोड़ने की बात कही। अंधेरे में कविता बड़े आंदोलनों से जुड़कर नया संदर्भ ग्रहण करती है इस बात को स्पष्ट करते हुए प्रो बसंत त्रिपाठी ने कुछ



अन्य कविताओं के साथ इसे पढ़े जाने की बात कही ।

मुख्य वक्ता समकालीन जनमत पत्रिका के संपादक राम जी राय ने मुक्तिबोध की सामाजिकता पर बात कहते हुए उनके सामाजिक राजनैतिक तंत्र पर समझ को विस्तार से रेखांकित किया । उन्होंने कहा हमारे समय मनुष्य अपने समय के साथ एक द्वंद्वात्मक संबंध में है। वैयक्तिक धारणा लेकर दूसरी धरा भी उनके बरक्स सक्रिय थी। उन्होंने उसके साथ एक वैचारिक संघर्ष चलाया। आपातकाल की आहट को उन्होंने दस पहले देख लिया था। आज उनको याद करने का मतलब है अपने समय के कीर्ति व्यवसाई युग के प्रतिरोध में खड़ा होना।

डॉ.वंदना चौबे ने मुक्तिबोध द्वारा इंदौर में आयोजित किए गए फासिस्ट विरोधी सम्मेलन के संदर्भ से याद किया। कहा कि हमारे यहां पूंजीवाद की मजबूत उपस्थित का सबसे पहले पर्दाफाश मुक्तिबोध ने किया। नागपुर में मजदूरों पर चलाई गई गोली अंधेरे में कविता की पृष्ठभूमि में है। अभिव्यक्ति को उसकी पूर्णता में हासिल करना उनकी रचनाधर्मिता का उत्स। जनता अगुआ ताकत है । जनधर्मिता उनकी कविता की ताकत। सिर्फ अनुभव पर्याप्त नहीं है। ईमानदार अगर सक्रिय और सकर्मक नहीं होगा तो बेइमान अपनी सक्रियता से उसका इस्तेमाल अपने पक्ष में कर लेंगे। मंच संचालन डॉ प्रेमशंकर सिंह ने किया। इस मौके पर प्रो प्रणय कृष्ण, प्रो दीनानाथ , प्रो आभा त्रिपाठी, डॉ गणेशन मिश्र, डॉ भारती कोरी के अलावा विभाग के छात्र और शोधार्थी मौजूद थे ।

बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह की सगाई आज, 100 बीघा में सजा पंडाल

26 को विवाह, 27 को दिल्ली में रिसेप्शन

लखनऊ, संवाददाता। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के कुनबे में शहनाई बजने वाली है। हाईप्रोफाइल आयोजन का 100 बीघामें पंडाल रामघाट रोड स्थित तालानगरी अलीगढ़ में संत फिदेलिस स्कूल के पास मैदान में आकार ले चुका है। करीब 100 बीघा क्षेत्रफल में वॉटरप्रूफ जर्मन हैंगर पंडाल तैयार है। वैवाहिक कार्यक्रम के लिए बड़े भूभाग को अस्थायी नगर का रूप दिया गया है। इस उत्सव में शिक्षा मंत्री संदीप सिंह के छोटे भाई सौरभ सिंह की भी रिंग सेरेमनी होगी। जहां संदीप सिंह, मेघना चौधरी पुत्री विजय व अरुण चौधरी, मूल निवासी गोंडा ब्लॉक का रुदायन उर्फ तारापुर गांव का हाथ थामेंगे, वहीं छोटे भाई सौरभ सिंह, अंतरा त्यागी पुत्री अनुराधा व देवेश त्यागी के साथ जीवन की नई शुरुआत करेंगे। पंडाल को तीन अलग–अलग लेयर्स में विभाजित किया गया है। अति विशिष्ट दीर्घा, विशिष्ट दीर्घा और आम आगंतुक क्षेत्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के संभावित आगमन को लेकर रामघाट रोड स्थित स्कूल परिसर में थ्री–वे हेलीपैड तैयार किया गया है। समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी आमंत्रित किया गया है, जिसके चलते सुरक्षा मानकों को सर्वोच्च स्तर पर रखा गया है। समारोह के मीनू को शाही रखा गया है। वीवीआईपी मेहमानों को जहां आधुनिक कॉन्टिनेंटल फूड परोसा जाएगा, वहीं मुख्य आकर्षण बाबूजी कल्याण सिंह की यादों से जुड़ा ग्रामीण और ब्रज का पारंपरिक स्वाद भी होगा। अतरौली और अलीगढ़ के ग्रामीण अंचलों की प्रसिद्ध देसी घी की बालूशाही, विशेष मटका कुल्फी और बाजरे की खास वैरायटी को भी मीनू का हिस्सा बनाया गया है। सगाई समारोह में एक हजार वीवीआईपी व वीआईपी का खाना तैयार करने का काम दिल्ली की कैटरिंग फर्म को दिया गया है जबकि बाकी खाना का जिम्मा प्रेमी कैटर्स को दिया गया है।

अखिलेश बोले–ज्योतिषों ने राममंदिर जाने का मुहूर्त निकाला



लखनऊ, संवाददाता। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने रामलला के दर्शन के लिए जाने को लेकर कहा पवन पांडेय ने ज्योतिषियों से बात की थी। उन्होंने ग्रह–नक्षत्र देखकर राम मंदिर जाने का मुहूर्त निकाला है। आरोप लगाया कि भाजपा की तैयारी है कि दिल्ली या दूसरी जगह शिफ्ट होने की वजह से जिन लोगों के नाम कट गए हैं, उनकी जगह एमपी, बिहार, उत्तराखंड और दूसरी जगहों से लोगों को लाकर वोट बनवा दिए जाएं। इसकी ट्रेनिंग दे रही। इलेक्शन कमीशन ने बता दिया है कि 4 जनवरी को वोटर लिस्ट आ रही है। अगर भाजपा डरी नहीं है तो 6 जनवरी को चुनाव की तारीख घोषित हो जाएगी। सपा प्रमुख ने शुक्रवार को लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इसके पहले उन्होंने 86 अनारक्षित विधानसभा सीटों की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में जिलाध्यक्षों के अलावा संबंधित विधानसभा के अध्यक्ष और दावेदार भी शामिल हुए। अखिलेश ने कहा कि राम मंदिर जाने की तारीख पार्टी को पवन पांडेय ने बताई है। उन्होंने ज्योतिषियों से बात करके ग्रह–नक्षत्र देखकर यह तारीख तय की है। ज्योतिषियों के कहे तारीख को ही राम मंदिर जाएंगे। दरअसल, पवन पांडेय ने कुछ दिन पहले दावा किया था कि अखिलेश यादव 12 दिसंबर को राम मंदिर जाकर रामलला के दर्शन करेंगे। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा मतदान के दिन भी गड़सीएमी की तैयारी कर रही है। उन्होंने कहा, भाजपा की तैयारी है कि आप वोट डालने जाएंगे तो वहीं से भगा दिया जाएगा कि आपका वोट यहां है ही नहीं। फिर आप ढूंढ़ते रहिएगा कि आपका वोट किस बूथ पर है। इस समय ऐसी पोस्टिंग हो रही है कि इलेक्शन कमीशन भी अधिकारियों को नहीं हटाएगा। लगता है कि पोस्टिंग इलेक्शन कमीशन की सहमति से हो रही है। पूरा चुनाव लूटने की तैयारी हो रही है। अखिलेश यादव ने कहा पीलीभीत में सपा ने पहले ही बता दिया था कि कितने हजार वोट कटेंगे। इसके बाद दो एसडीएम हटाने पड़े। लखनऊ में पता चला कि एक ही साइन से 100 से ज्यादा फॉर्म–7 भरे गए थे। समाजवादी पार्टी के नगर अध्यक्ष के साइन से हमारे ही वोट कटवा दिए गए। उन्होंने कहा, सरकार और इलेक्शन कमीशन की क्या सांठगांठ है कि विपक्ष को कुछ पता नहीं चल रहा, जबकि मुख्यमंत्री को पता चल रहा है कि 1 करोड़ 27 लाख वोट कट गए हैं। वोट के हिसाब से मान लें तो भाजपा हार गई। हर विधानसभा में 31 हजार वोट कट गए हैं। अखिलेश यादव ने कहा कि आजम खान साहब को भाजपा ने फंसाया है। उनके खिलाफ साजिश की गई और झूठे मुकदमे लगाए गए हैं। उनके शिक्षा संस्थान की ईडी जांच कर रही है, लेकिन साढ़े 17 हजार करोड़ रुपये के टेंडर की जांच नहीं हो रही है। चुनाव के लिए हम और कांग्रेस तैयार हैं। जिस दिन चुनाव की तारीख तय होगी, भाजपा हार जाएगी। सामाजिक परिवर्तन मोर्चे का स्वागत करते हैं। समाज में परिवर्तन होना चाहिए। जब राजनीतिक मोर्चा सक्रिय होगा, तो जो भी पीडीए समाज की आवाज उठाएगा, उसकी आवाज आवाम तक पहुंचाने की कोशिश हम करेंगे। सपा प्रमुख ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग को ही इलाज की जरूरत है। एम्स गोरखपुर की डायरेक्टर को प्राइवेट अस्पताल जाना पड़ा। 16 हजार लोगों पर एक डॉक्टर है। सरकार ने 10 साल में क्या किया? स्वास्थ्य विभाग चौपट है और शिक्षा व्यवस्था भी चौपट हो गई है। पेपर लीक हो रहे हैं। राहुल गांधी के फोन टैपिंग के आरोप पर अखिलेश ने कहा, मुझे डर है कि पुलिसवाले पत्रकार बनकर तो नहीं आ गए हैं। एक बार इसी कक्ष में पकड़ा था। नेताजी ने एक बार प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी कि हमारे फोन टैप हो रहे हैं, तो हो सकता है। आज कुछ भी संभव है।

ओवैसी–चंद्रशेखर गठबंधन दिखायेगा 2027 में रंग

बिगाड़ सकता है यूपी की 46 सीटों का समीकरण

लखनऊ, संवाददाता। यूपी विधानसभा चुनाव में असदुद्दीन ओवैसी की एआईएमआईएम और चंद्रशेखर की आजाद समाज पार्टी का नया गठबंधन दलित–मुस्लिम बाहुल्य 46 सीटों का चुनावी समीकरण बिगाड़ सकता है। पश्चिम की कई सीटें गठबंधन के प्रभाव वाली कही जा सकती हैं। अगर गठबंधन का असर हुआ तो सपा, कांग्रेस व बसपा के समीकरण प्रभावित हो सकते है। 2022 के चुनाव में सूबे की 51 सीटों पर हार–जीत का अंतर 5000 वोटों से भी कम रहा। कई सीटों पर हार–जीत 200 से 500



वोटों के बीच रही। कई सीटें ऐसी थी जहां जीत का अंतर एक हजार से कम था। धामपुर सीट पर सपा 307 वोटों के अंतर से हारी, आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार विवेक कुमार को 574 वोट मिले थे। मुरादाबाद नगर में सपा के मो. युसुफ अंसारी 782 वोटों के अंतर से हारे, एआईएमआईएम के रशीद को 2661 वोट मिले थे। नकुड़ से पूर्व मंत्री धर्म सिंह सैनी सिर्फ 315 वोटों से हारे, एआईएमआईएम के रिजवान को 3593 वोट मिले थे। नहटौर से रालोद के मुंशीराम 258 वोटों से हारे, आजाद समाज पार्टी के उम्मीदवार ने 1338 वोट हासिल किए थे। बाराबंकी की कुर्सी विधानसभा क्षेत्र से सपा के राकेश वर्मा 217 वोटों से हारे थे, एआईएमआईएम के अशरफ को 8541 वोट मिल गए थे।मानना पड़ेगा कि एआईएमआईएम के प्रत्याशी को मिले मतों से सपा को नुकसान हुआ था। असदुद्दीन ओवैसी का खास फोकस मुस्लिम बहुल इलाकों में पार्टी का जनाधार बढ़ाने पर हैं। चंद्रशेखर आजाद दलित राजनीति में नई पीढ़ी के बीच पकड़ बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। इस गठबंधन का असर पश्चिमांचल, पूर्वांचल और रुहेलखंड में देखने को मिल सकता है।सहारनपुर, देवबंद, मेरठ कैंट, बरेली, शाहजहांपुर, मुजफ्फरनगर, बदायूं, पीलीभीत, सीसामऊ, कानपुर कैंट, अमरोहा, लखनऊ पश्चिम, रामपुर, मुरादाबाद नगर, संभल, नजीबाबाद, बिजनौर, धामपुर, नगीना, नूरपुर, चांदपुर, बिलारी, असमोली, ठाकुरद्वारा, कांठ, कुंदरकी, मुजफ्फरनगर सीटें मुस्लिम बहुल मानी जाती हैं। वहीं पूर्वांचल में आजमगढ़– फूलपुर, लालगंज, जौनपुर शाहगंज, मछलीशहर, सोनभद्र में दुद्धी, राबर्ट्सगंज, मिर्जापुर में लालगंज, मझवां, मिल्कीपुर, बिजनौर, नगीना, अमरोहा, मेरठ, बहराइच, मुरादाबाद ग्रामीण, धामपुर, रामपुर मनिहारन, गंगोह, थाना भवन, चरथावल दलित बहुल हैं। इनमें कई सीटों पर दलित–मुस्लिमसमीकरण चुनाव की दिशा तय करता है। ऐसे में सपा के पीडीए राजनीति के लिए ज्यादा मेहनत करनी पड़ सकती हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में पीडीए की महत्वपूर्ण भूमिका रही। ओवैसी और चंद्रशेखर इसी सामाजिक आधार के एक हिस्से को अलग राजनीतिक मंच पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। मुस्लिम बहुल क्षेत्रों में एआईएमआईएम सपा के लिए मुश्किलें खड़ी कर सकती हैं वहीं भाजपा के लिए भी गठबंधन महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुस्लिम मतों का कुछ भी हिस्सा यदि एआईएमआईएम की ओर चला जाता है और दलित मतों का चंद्रशेखर बंटवारा कर लेते हैं तो इसका फायदा भाजपा को मिल सकता है। इसका प्रभाव हर सीट पर एक जैसा नहीं होने वाला है। यह इसपर निर्भर होगा कि गठबंधन किन सीटों पर उम्मीदवार उतारता है। बसपा के सामने परंपरागत मतदाताओं के आधार को बचाए रखने का सवाल होगा। चंद्रशेखर की बढ़ती राजनीतिक उपस्थिति चुनौती तो जरूर पेश करेगी।

भयहरणनाथ धाम में प्रबन्ध समिति की बैठक कल 15 नवंबर को

विकास कार्यों का होगा स्थलीय सामाजिक अवलोकन

प्रतापगढ़। भयहरणनाथ धाम क्षेत्रीय विकास संस्थान की प्रबन्ध समिति एवं मन्दिर व मेला उप समिति की बैठक 5 दिसंबर 2026 को होने वाले वार्षिक अधिवेशन के संदर्भ में 15 नवंबर, रविवार को दोपहर 12 बजे भयहरणनाथ धाम परिसर में होगी। बैठक में धाम में हो रहे विकास कार्यों का अवलोकन, सुझाव एवं चर्चा के बाद आवश्यक मुद्दों पर सामूहिक निर्णय लिए जाएंगे। साथ ही प्रतिवर्ष की भाँति 5 दिसंबर विश्व स्वयं सेवक दिवस पर होने वाले वार्षिक अधिवेशन की रूपरेखा एवं तैयारियों पर विचार होगा। यह जानकारी देते हुए महासचिव समाज शेखर ने बताया कि त्वरित विकास योजना द्वारा प्रस्तावित कन्वेंशन सेंटर की भूमि चिन्हांकन के लिए स्थानीय राजस्व विभाग के लेखपाल, कानूनगो व नायब तहसीलदार की सहभागिता से स्थान तय होगी। बैठक में नगर पंचायत, पुलिस व राजस्व विभाग के प्रतिनिधियों तथा धाम स्थित सभी मंदिरों के पुजारी व प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया गया है।



असेम्बली इलेक्शन से पहले आया चौकाने वाला सर्वे

कौन बनेगा यूपी का अगला मुख्यमंत्री ?

लखनऊ, संवाददाता। यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सियासी दलों ने तैयारी शुरू कर दी है। भाजपा तीसरी बार फिर सत्ता में वापसी की कोशिश में है तो समाजवादी पार्टी भी सरकार बनाने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रही है। अब सवाल यह है कि यूपी की जनता अगली रिजीम के लिए किसे मुख्यमंत्री की कुर्सी पर देखना चाहती है? क्या लोगों की पसंद एक बार फिर योगी आदित्यनाथ हैं या अखिलेश यादव को लेकर ज्यादा उम्मीद है?वोट वाइब के ताजा सर्वे में 44.1 फीसदी लोगों ने योगी आदित्यनाथ को अगले मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पसंद बताया है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव दूसरे नंबर पर हैं। उन्हें 34.5 फीसदी लोगों का समर्थन मिला है।दोनों के बीच 9.6 प्रतिशत अंकों का अंतर है।सर्वे में सिर्फ योगी और अखिलेश का नाम नहीं पूछा गया था, बसपा प्रमुख मायावती और कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी का नाम भी शामिल था।आंकड़ों के मुताबिक 6.5 फीसदी लोगों ने प्रियंका गांधी को अगला मुख्यमंत्री बनाने की बात कही तो 5.8 फीसदी लोगों ने मायावती को पसंद बताया।दूसरे नामों के पक्ष में 4.4 फीसदी लोगों ने जवाब दिया जबकि 4.7 फीसदी लोगों ने कोई राय नहीं दी या कुछ कहने से इनकार किया। आंकड़ों में योगी आदित्यनाथ पहले, अखिलेश यादव दूसरे, प्रियंका गांधी तीसरे और मायावती चौथे स्थान पर हैं।वोट वाइब की रिपोर्ट के मुताबिक सर्वे उत्तर प्रदेश के सभी जिलों को शामिल करते हुए किया गया है।इसमें कुल 8,339 लोगों से टेलीफोन के जरिए सवाल पूछे गए। सर्वे की रिपोर्ट 13 नवंबर 2026 को जारी हुई है।

उत्तर मध्य रेलवे

सार्वजनिक अधिसूचना

रेलवे लाइनों और परिसरों का इस्तेमाल करने वाले सभी उपभोक्ताओं को एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि रेलवे के निम्नलिखित खण्ड पर 132 के.वी., 50 हर्टज ए.सी. ट्रांसमिशन लाइन (दोहरा सर्किट) तारों को खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या बाद में उर्जित किया जायेगा। उस तारीख पर और उस तारीख से ट्रांसमिशन लाइन को हर समय 'लाइव' (बिजली से चालू) माना जायेगा और कोई अनाधिकृत व्यक्ति उस ट्रांसमिशन लाइन के पास नहीं जाएगा और न ही उसके आस-पास कोई काम करेगा।

मंडल : प्रयागराज | दिनांक : 20.12.2026 को अथवा उसके पश्चात्

खण्ड का नाम
उत्तर मध्य रेलवे के प्रयागराज मंडल के जिवनाथपुर-कानपुर सेक्शन में, सिरायू गाँव, बनपुरा चक मोहरा (तहसील-सिराथू, जिला-कौशाम्बी) सिराथू स्टेशन के पास से गुजरने वाली 132kV, 3-फेज, डबल सर्किट ट्रांसमिशन लाइन (टावर नंबर 148 से 148G)।

द्वारा निर्गत
उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/परियोजना
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

2570/26 (AS)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं॰ पीआरवाईजे-सिग॰ 045-2026-27 | दिनांक॰ 11.11.2026

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता/समन्वय/उत्तर मध्य रेलवे/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्नलिखित निर्धारित कार्य के लिये ई-निविदा निर्धारित प्रपत्र पर दिनांक 01.12.2026 को 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।

निविदा नं. पीआरवाईजे-सिग-045-2026-27	अनुमानित मूल्य (₹): 95,44,332/-
कार्य का विवरण: सूबेदारगंज में दस यूनिट टाइप-VI क्वार्टर और लोको कॉलोनी, प्रयागराज में दो यूनिट टाइप-V क्वार्टर के निर्माण के संबंध में दूरसंचार का कार्य।	
बिड सिक्योरिटी (₹): 1,77,800/-	निविदा प्रपत्र का मूल्य(₹): 0/-
कार्य समापन की अवधि: 12 माह	निविदा बन्द होने की तिथि: 08.12.2026

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर निविदा खुलने की तिथि से 21 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।

निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान: निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को 12.30 बजे या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबन्धक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जायेगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जायेगी। 2574/26(K)

North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in @CPRONCR

सम्पादकीय.....

गर्म होती दुनिया

आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग के गंभीर प्रभावों का त्रास झेल रही है। अतिवृष्टि, अनावृष्टि, सूखा और चक्रवात के बढ़ते क्रम हमारे समय का यथार्थ हैं। यह साल लगातार गर्म साबित हो रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार साल 2026 उपलब्ध मौसम इतिहास के सबसे चार गर्म वर्षों में शुमार है। इस साल सितंबर तक का वैश्विक औसत तापमान पूर्व औद्योगिक काल के मुकाबले 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक दर्ज हुआ है। इस अप्रत्याशित तापमान वृद्धि की वजह 'अलनीनो' असर कहा जा रहा है, जिसके दिसंबर तक चरम पर पहुंचने की आशंका है। निस्संदेह दुनिया में अनियंत्रित विकास ने भी तापमान बढ़ाया है, जो मौसम में आने वाले अप्रत्याशित बदलावों का अहम कारक है। अमेरिका समेत तमाम विकसित देशों ने विकास के लक्ष्यों हेतु पर्यावरण के प्रश्न को नजरअंदाज किया है। इंसानी लालच व मुनाफाखोरी के औद्योगिक विकास ने अंधाधुंध कार्बन उत्सर्जन करके ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों को बढ़ाया है। लेकिन ग्लोबल वार्मिंग प्रभावों से उपजी त्रासदी झेल रहे ग्लोबल साउथ के देशों के प्रति अपनी जिम्मेदारी से विकसित देश विमुख हो जाते हैं। इसका सारा बोझ आखिरकार विकासशील व गरीब मुल्कों पर पड़ जाता है। ऐसे विषम हालात में तुर्किये में चल रहे संयुक्त राष्ट्र के जलवायु शिखर सम्मेलन में उम्मीद की किसी भी किरण पर संदेह के बादल छाए हुए हैं। वैश्विक भू–राजनीतिक हालात संभावना को मुश्किल बना रहे हैं। दुनिया में कई युद्धों और अमेरिका की पर्यावरण संरक्षण नीतियों से विमुखता के चलते सम्मेलन से सार्थक नतीजों की उम्मीद कम ही है। हालांकि, अलनीनो मौसम प्रणाली का असर अभी चरम पर पहुंचना बाकी है, लेकिन नेपाल की भयावह त्रासदी ने आसन्न संकट का चित्र उकेर दिया है। निस्संदेह, 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' यानी सीओपी–31 की अपनी कुछ सीमाएं हैं, जिसमें जलवायु संरक्षण संबंधी बहुपक्षीय सहयोग की कमी और परस्पर विरोधी लक्ष्य शामिल हैं। ऐसे में मानवता को ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभावों से बचाने की दिशा में एक ईमानदार पहल की जरूरत है। यह हकीकत है कि वर्ष 1850 में वैश्विक तापमान का रिकॉर्ड रखे जाने की शुरुआत के बाद से पिछले 12 साल सबसे गर्म वर्षों में शामिल रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम ने चिंता जतायी है कि ग्यारह साल पहले हुए पेरिस समझौते का यह लक्ष्य कि वैश्विक तापमान में वृद्धि को पूर्व–औद्योगिक स्तर से 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखा जाए, अब हासिल न होगा। तभी 'कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज' जैसे सम्मेलनों की सार्थकता को लेकर आलोचना होती है। विश्व समुदाय का निराश होना स्वाभाविक है क्योंकि पिछले दशकों में इस दिशा में बहुत कम प्रगति हुई है। तमाम सरकारें इस मुद्दे पर उदासीन नजर आती हैं। लेकिन इसके बावजूद बढ़ते तापमान और ग्रीनहाउस गैसों के भारी उत्सर्जन से निपटने के लिये ऐसे आयोजनों के जरिये गंभीर चर्चा करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं है। ग्लोबल साउथ के देशों के लिये बेहद जरूरी है कि वे अपने अलग–अलग और जटिल हितों के बीच उन उपायों को लागू करें, जिनको लेकर कोई समझौता नहीं किया जा सकता। साथ ही जीवाश्म ईंधन के स्थान पर नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने में आने वाली लागत को भी रेखांकित करें। तुर्किये में सीओपी–31 ऐसे समय में हो रहा है जब दिल्ली व अन्य कई शहर प्रदूषण के भयावह दौर से गुजर रहे हैं। समाधान बेअसर हैं और लोगों की सांसें घुट रही हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इस वायु प्रदूषण को कोविड महामारी की तरह 'जन–स्वास्थ्य आपातकाल' घोषित किया जाए। वैश्विक पर्यावरण संकट के मद्देनजर यही बात तुर्किये शिखर सम्मेलन के संदर्भ में भी बिल्कुल सटीक बैठती है। लेकिन विडंबना यह है कि संपन्न और विकसित देश जलवायु परिवर्तन के घातक प्रभावों को लेकर फिक्र का जिक्र तो करते हैं, लेकिन इस संकट के समाधान का हिस्सा नहीं बनना चाहते। दुनिया दशकों से जलवायु परिवर्तन और बढ़ते वैश्विक तापमान को लेकर चिंता तो जता रही है, लेकिन संकट के समाधान रास्ते स्पष्ट होने के बावजूद गंभीर पहल नहीं की जा रही है। ग्लोबल साउथ के देशों की मांग एक हकीकत है कि जब तक संपन्न व विकसित देश वैश्विक तापमान नियंत्रण के लिये आर्थिक मदद नहीं देते, इस संकट से बाहर निकलना नामुमकिन ही होगा।

चुनौतियों से मुंह छिपाती सरकार

डॉ. दीपक पाचपोर

पूर्व अनुभव तो यही बताते हैं कि रेल मंत्री इस दुर्घटना पर भी बेतुके बयान देकर बच जाएंगे। मीडिया भी इस खबर को महत्व नहीं देगा, क्योंकि किसी की जान इसमें नहीं गई है।

बुधवार सुबह सात बजे के करीब असम में एक बड़ी ट्रेन दुर्घटना होते–होते बची। गुवाहाटी के पास दिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता–सैरांग एक्सप्रेस पटरी से उतर गई, जिसमें कुछ यात्री घायल हुए हैं, हालांकि किसी की जान जाने की खबर नहीं है, जो बड़ी राहत की बात है। पहले जो जानकारी आई, उसके मुताबिक जनशताब्दी एक्सप्रेस को रास्ता देने के लिए जब इस ट्रेन को लूप लाइन पर रोका जा रहा था, तो लोको पायलट ट्रेन की गति नियंत्रित नहीं कर सके और ट्रेन डेड–एंड के बैरिकेड्स से टकराकर पटरी से उतर गई। लेकिन असल बात यह है कि ट्रेन का इमरजेंसी ब्रेक और ब्रेक प्रेशर सिस्टम (ए 9/एसए 9) फेल हो गया। सोशल मीडिया पर लोको पायलट के केबिन का एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें वे ब्रेक काम न करने की बात कह रहे हैं। इस वीडियो में लोको पायलट को यह कहते हुए सुना जा सकता है कि कुछ भी काम नहीं कर रहा है सिग्नल लाल है, लेकिन एसए 9 और ए9 काम नहीं कर रहे हैं। शायद लोको पायलट ने इस आपात स्थिति में मोबाइल से रिकॉर्डिंग कर ली, ताकि सच्चाई सबके सामने आए। वर्ना रेलवे अधिकारियों ने तो बयान दे दिया था कि लोको पायलट ट्रेन की रफ्तार पर काबू नहीं रख सके, जिससे इंजन और पांच डिब्बे पटरी से उतर गए। कायदे से छोटी सी छोटी दुर्घटना होने पर भी रेलवे को बाकायदा जांच करवा कर ही किसी नतीजे पर पहुंचना चाहिए। इससे भविष्य में दुर्घटनाओं को रोकने में मदद मिलेगी, क्योंकि जांच में जो कारण सामने आएंगे, फिर उन पर सुधार का काम हो सकेगा। किसी भी व्यवस्था को ऐसे ही दुरुस्त बनाया जाता है। लेकिन भारत में अब काम के तरीके और जिम्मेदारी का अहसास दोनों बदल चुके हैं। एक तेज रफ्तार ट्रेन के इंजन समेत पांच डिब्बे उतर गए और बिना किसी जांच के ही अधिकारी ने सारा ठीकरा लोको पायलट पर फोड़ दिया था कि उसने रफ्तार पर काबू नहीं किया। अब उस वीडियो के जरिए वह दिल दहलाने वाला मंजर सामने आ गया, जिसमें वह ट्रेन की गति कम करने की कोशिश में सारे उपाय कर रहा है, लेकिन ब्रेक फेल हो चुके हैं। इस वीडियो को रेलवे कितनी मान्यता देता है और क्या अश्विनी वैष्णव अपने कार्यकाल में हुई एक और बड़ी नाकामी को स्वीकार करते हैं, यह देखना होगा। पूर्व अनुभव तो यही बताते हैं कि रेल मंत्री इस दुर्घटना पर भी बेतुके बयान देकर बच जाएंगे। मीडिया भी इस खबर को महत्व नहीं देगा, क्योंकि किसी की जान इसमें नहीं गई है। वैसे अकेले इस दुर्घटना की बात नहीं है, जिन दुर्घटनाओं में ज्यादा लोग हताहत हुए हैं, उन में भी दोषियों पर क्या कार्रवाई हुई, यह पता करने की फिक्र मीडिया में कहां बाकी रह गई है। कई बड़े अखबार और चौनल तो उन्हीं खबरों पर दिन–भर जोर देते रहते हैं, जो भाजपा की तरफ से प्रेषित की जाती हैं। इस त्योहारी मौसम में स्टेशनों से लेकर ट्रेनों तक आम आदमी किन मुश्किलात से सफर कर रहा है, इस बारे में रिपोर्टिंग करना या प्राइम टाइम में बहस कराने का यह बिल्कुल माकूल वक्त था। लेकिन भाजपा ऐसा नहीं चाहती तो ऐसी कोई खबर, कोई बहस नहीं आती। सोशल मीडिया पर जरूर बहुत सारे वीडियो सामने आए हैं, जिनमें लोग मवेशियों से भी बदतर हालात में जनरल बोगियों में ठूंसे हुए हैं, दरवाजे के हैंडल पकड़े आधे लटके, आधे खड़े हैं। किसी के हाथ में छोटा बच्चा है, कोई बूढ़ा–लाचार है, कोई स्त्री इतनी भीड़ में असहज है। लेकिन फिर भी अपने घरों तक जाने के लिए यही सस्ता जरिया है, तो मजबूरी में लोग ऐसे असुविधाजनक और जोखिम भरे सफर करते हैं। दीपावली पर दीए और पटाखे जलाने में मशगूल सत्ताधारियों को आम जनता की यह तकलीफ नजर नहीं आती। ट्रेनों की दुर्दशा को अगर खबरों में लगातार महत्व मिले तो मोदी सरकार पर दबाव बन सकता है कि वह इस तरफ सुधार के लिए काम करे, न कि केवल रील बनाकर मंत्री महोदय अपना प्रचार करते रहें। असम की ट्रेन दुर्घटना के बाद एक बुरी खबर कश्मीर से भी आई कि कुलगाम के मीर बाजार में सीआरपीएफ कैंप पर आतंकी हमला हुआ, जिसमें तीन जवान घायल हुए हैं। एक जवान के पेट में गोली लगी है, उनकी हालत गंभीर है, वहीं अन्य दो मामूली रूप से घायल हुए हैं। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने दसियों बार आतंकवाद के खात्मे के दावे किए हैं। 2016 की नोटबंदी फिर 2019 में जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के वक्त मोदी ने आतंकवाद पर बड़े प्रहार का ही दावा किया था। अमित शाह भी यही कहते रहे। लेकिन फिर पुलवामा भी हुआ और पहलगाम भी। और कुलगाम जैसी कुछ और आतंकी घटनाएं भी हुई हैं। चूंकि पुलवामा और पहलगाम में मरने वालों की संख्या ज्यादा थी तो सरकार को कच्चा–पक्का कुछ भी जवाब देने आना ही पड़ा, वर्ना इस सरकार की आदत यही बन चुकी है कि किसी भी तरह जवाबदेही से बच जाए। कुलगाम के सीआरपीएफ कैंप पर अगर हमला करने का दुस्साहस आतंकियों ने किया है, तो इसका सीधा मतलब है कि आतंकवाद की चुनौती अभी बरकरार है। लेकिन चुनौतियों से मुंह छिपाना मोदी सरकार की आदत बन गई है।

एक किताब, सौ अफसाने, सौ विचार

सर्वमित्रा सुरजन

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्षा सोनिया गांधी की बहुप्रतीक्षित किताब बिलॉन्गिन्ग ए जर्नी ऑफ लव 10 नवंबर को बिक्री के लिए उपलब्ध हो गई। जैसा कि अनुमान था किताब की बिक्री हाथों–हाथ हुई। किताब दुकानों के अलावा घर पहुंच सेवा वाले मोबाइल ऐप्स से भी लोगों ने किताबें मंगवाईं। आमतौर पर किसी फिल्म के प्रदर्शित होने पर सोशल मीडिया से लेकर मुख्यधारा के मीडिया तक जैसी चर्चाएं होती हैं, कई खबरें, कई विमर्श केवल उसी फिल्म के इर्द–गिर्द होते हैं, ठीक वैसी ही चर्चा इस समय सोनिया गांधी की किताब की हो रही है। यह एक सुखद घटना है कि शायद कई दशकों बाद किसी किताब पर इतनी उत्सुकता व्यक्त की गई और उसे पढ़ने के लिए लोग इंतजार कर रहे हैं। क्योंकि भारतीय समाज में किताबें पढ़ने की आदत दिनों–दिन कम हुई है। 25–30 साल पहले जब टीवी भी कम देखा जाता था और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्म थे ही नहीं, तब तक फिर भी लोगों को पढ़ने की आदत हुआ करती थी। अखबार और पत्रिकाओं के अलावा किताबें भी काफी बिका करती थीं। लेकिन फिर धीरे–धीरे हाथों में किताब की जगह मोबाइल ने ले ली। खैर, वक्त कभी एक जैसा रहता नहीं और उसी तरह समाज में भी बदलाव आते ही हैं। केवल इंसानी फितरत और उसकी भावनाएं नहीं बदलती हैं। हर काल, हर समाज में इंसान चुनिंदा भावनाओं से ही संचालित होता है। प्रेम, घृणा, राग, द्वेष, ईर्ष्या, जिज्ञासा, कृतज्ञता, कृतघ्नता, भय, साहस इन सबका निचोड़ ही मिट्टी के पुतलों को इंसान बनाता है। हर इंसान की जीवनगाथा में इन्हीं भावनाओं के अलग–अलग रंग देखने मिलेंगे। सोनिया गांधी की गाथा में भी इन्हीं का सम्मिश्रण है। फिलहाल किताब को आए एक दिन ही हुए हैं लिहाजा पूरी किताब इतनी जल्दी पढ़कर उसकी समीक्षा करना संभव नहीं है। हालांकि पिछले कुछ दिनों से टुकड़ों–टुकड़ों में किताब के कई हिस्से सामने आए हैं। कुछ अतिउत्साही लोगों ने दस तारीख से ही किताब आने के चंद घंटों में ही इस पर अपनी राय बनाकर पेश करना शुरु कर दिया है। सोशल मीडिया का यह भी एक नुकसान है कि सब इस होड़ में रहते हैं कि जल्दी से जल्दी अपनी बात समाज तक पहुंचाएं। रील्स बनाई जा रही हैं, किताब हाथ में लेकर साधिकार उस पर बात की जा रही है, मानो सोनिया गांधी ने उनके सामने बैठकर किताब लिखी है। जबकि किसी भी कलाकृति, किताब, नाटक, फिल्म आदि का सही और ईमानदार विश्लेषण तभी हो सकता है, जब उस पर ठहर कर, इत्मीनान से मंथन किया जाए। इस किताब के साथ यह संयम नहीं दिखाया जा रहा। जितने मुंह, उतनी बातें, ऐसा ही हाल इस किताब के साथ हो चुका है कि जितने लोगों के हाथ में किताब है, सब समीक्षक बन कर अपनी राय पेश कर रहे हैं। कुछ स्वनामधन्य पत्रकारों ने उसमें मीन–मेख निकाल कर अपना बौद्धिक आतंक कायम करने की कोशिश भी शुरु कर दी है। कहीं प्रुफ की गलतियां, कहीं मामूली तथ्यात्मक चूक तो कहीं इस बात पर सवाल उठाए जा रहे हैं कि सोनिया गांधी ने जब अपनी कहानी लिखी ही है तो उसमें बच्चन परिवार से अलगाव का जिक्र क्यों नहीं है, उसमें बोफोर्स पर सारी बात क्यों नहीं है, उसमें नरसिंह राव से दूरी का कारण क्यों नहीं बताया गया है, इत्यादि–इत्यादि। ऐसे पत्रकार जो बौद्धिकता का दिखावा करते हैं, उन पर सिवाए अफसोस के और कुछ नहीं किया जा सकता। क्योंकि ये हमेशा से ऐसे ही थे, आगे भी ऐसे ही रहेंगे। नेहरू–गांधी परिवार ने बेशक खुद को भारत के लिए समर्पित कर दिया है और ये समर्पण आज का नहीं सौ साल से भी पुराना है, जब मोतीलाल नेहरू परिवार के मुखिया हुआ करते थे। लेकिन दिखावटी बुद्धिजीवी इस समर्पण को गांधी परिवार की मजबूरी की तरह दिखाते हैं और उसी हिसाब से जब भाजपा या गांधीविरोधियों को जरूरत होती है, इस परिवार पर निशाना साधते हैं। बिलॉन्गिन्ग ए जर्नी ऑफ लव को लेकर भी अब गांधी परिवार पर नए सिरे से उंगलियां उठाने का मौका उनके विरोधियों को मिल गया है। सोनिया गांधी इस बात को बहुत अच्छे से समझती हैं, इसलिए उन्होंने पहले ही कहा था कि किताब पर हंगामा होगा। टीवी चौनलों के पत्रकार तो किताब पर बाकायदा प्राइम–टाइम में बहस करवा रहे हैं। मतलब किताब पढ़े बिना ही उस पर चर्चा कराई जाए, यह गजब हो रहा है। लेकिन किसी को इससे कोई फर्क नहीं पड़ेगा, क्योंकि मतलब किताब पर सही बात करने से नहीं, बल्कि टीआरपी से है। सोनिया गांधी का नाम बिकता है, उन्हें लेकर जनता में उत्सुकता रहती है, तो बस उनकी किताब पर कोई सनसनीखेज शीर्षक के तहत बहस कराई जाए, जिसमें भाजपा और कांग्रेस के प्रतिनिधि आपस में भिड़ेंगे, एक–दूसरे पर आरोप लगाएंगे और बस कार्यक्रम इसी में निपट जाएगा। न्यूज एजेंसियों के रिपोर्टर्स के जिम्मे भी दस तारीख से एक नया काम आ गया है कि इस किताब पर नेताओं की प्रतिक्रियाएं लेते रहें। खासकर उन नेताओं की जो सोशल मीडिया के दायरे के बाहर नेहरू–गांधी परिवार के लिए ट्रोलर्स का काम करते हैं। निशिकांत दुबे, शाहनवाज हुसैन, प्रदीप भंडारी, शायना एनसी जैसे कई नेता अब सोनिया गांधी को बिलॉन्गिन्ग ए जर्नी ऑफ लव को बिना पढ़े ही घेरने में लगे हैं। बड़ी अजीबोगरीब टिप्पणियां इस संदर्भ में सुनने मिल रही हैं। एक ने कहा कि यह राहुल गांधी को फिर से लॉन्च करने की तैयारी है। हालांकि भाजपा का यह जुमला अब किसी काम का नहीं रहा। लोग समझने लगे हैं कि राहुल गांधी से भाजपा डरती है तो जानबूझ कर उन्हें विफल दिखाने की कोशिश करती है। एक नेता ने कहा कि यह किताब जख्मों पर नमक छिड़कती है, उन्होंने सिख विरोधी दंगों के संदर्भ में यह बात कही। भाजपा नेताओं की बेचारगी ऐसे बयानों के जरिए खुलकर जाहिर हो रही है। अभी 1 नवंबर की रामलीला मैदान की महारैली में सिख विरोधी दंगों का कार्ड भाजपा ने चला था, वहां फेल हो गई तो अब इस किताब पर यही पैंतरा आजमा रही है। यही हाल इमरजेंसी वाले मुद्दे पर हुआ है। भाजपा ने लगातार इमरजेंसी के नाम पर न केवल इंदिरा गांधी को बल्कि राहुल और सोनिया गांधी को भी निशाने पर लिया। संविधान हत्या विरोधी दिवस तक मनाना शुरु कर दिया। लेकिन जब किताब में सोनिया गांधी ने लिखा कि राजीव गांधी इमरजेंसी लगाने के फैसले के खिलाफ थे, मगर संजय गांधी के कहने पर यह फैसला लिया गया, तो अब भाजपा इस लिखे पर भी सवाल उठा रही है। उन्हें आपत्ति है कि संजय गांधी को सोनिया गांधी गलत क्यों दिखा रही हैं। यानी जो हो जाए राजीव गांधी को संजय गांधी के मुकाबले बेहतर न दिखाया जाए, यही भाजपा की मंशा है। इस किताब के आने के बाद भाजपा अपनी अफवाह फैलाने वाली आदत के अनुसार फिर से बेतुके दावे कर रही है। भाजपा सांसद कंगना रानौत ने सोनिया गांधी और राजीव गांधी की तस्वीर के साथ ऑफिशियल इंस्टाग्राम से लिखा है, शफिल्म श्इमरजेंसीश के लिए मैंने भारतीय राजनीति और गांधी परिवार पर काफी रिसर्च की थी। इस दौरान एक बात मेरी समझ से बाहर रही। एक रहस्यमयी विदेशी महिला गांधी परिवार में आती है। इसके बाद इंदिरा गांधी की हत्या हो जाती है। फिर प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदार संजय गांधी और राजीव गांधी की भी हत्या हो जाती है। इन घटनाओं के बाद प्रधानमंत्री पद की दावेदार के रूप में सिर्फ एक व्यक्ति बचती हैं और वह हैं सोनिया गांधी। इस तरह के बेतुके दावों से कंगना का थोड़ा बहुत प्रचार हो सकता है, लेकिन इन अफवाहों पर अब जनता ध्यान नहीं देती। एक वक्त में इंदिरा गांधी को लेकर भी संघ ऐसी कई अफवाहें फैलाता था। हालांकि कांग्रेस को अब सख्ती दिखाते हुए कंगना रानौत को कानूनी नोटिस भेजना चाहिए, ताकि जो बातें उन्हें रिसर्च के बाद भी समझ नहीं आईं, वह सब साफ–साफ नजर आने लगे। बहरहाल, आने वाले कई दिनों तक अब बिलॉन्गिन्ग ए जर्नी ऑफ लव पर बहुत कुछ पढ़ने–सुनने और देखने मिलेगा, यह तय है।

यूरोप और भारत में जनांदोलन दे रहे चुनी हुई सत्ता को चुनौती

नन्तू बनर्जी

भारतीय लोकतंत्र में एक दिलचस्प घटनाक्रम हो रहा है। केंद्र की सत्तारूढ़ पार्टी श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओश के बैनर तले राज्यों में रैलियां कर रही है। यह इंडिया ब्लॉक के रामलीला मैदान में चुनी हुई राष्ट्रीय सरकार के खिलाफ आयोजित बड़े प्रदर्शन के बाद किया जा रहा है। यूरोप के कई हिस्सों में भी जन विद्रोह चुनी हुई सरकारों को खतरे में डाल रहे हैं, जबकि चुनी हुई सरकारों को लग रहा है कि लोकतंत्र को खतरा पहुंचाने वाले लोग जनभावनाओं को हथियार बनाकर, समाजों को एकजुट करके और चुनावी जनादेश को चुनौती देकर लोकतंत्र को खतरे में डाल रहे हैं। मध्यावधि जनांदोलनों से निपटना पूरी लोकतांत्रिक दुनिया में चुनी हुई सरकारों के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है, क्योंकि राजनीतिक स्थिरता और वित्तीय–सह–ढांचागत जिम्मेदारी के बीच लगातार तनाव बढ़ रहा है। लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारें आमतौर पर मध्यावधि सामाजिक बगावत को तुरंत बातचीत और नीतिगत सुधारों से संभालती हैं। इसके लिए सार्वजनकि व्यवस्था, लोकतंत्र, और लोगों की नाराजगी की असली वजहों को दूर करने के बीच सावधानी से संतुलन बनाने की जरूरत होती है। चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि जन विरोध एक मौलिक अधिकार है और एक जीवंत लोकतंत्र का एक जरूरी हिस्सा, जिससे नागरिक अपनी असहमति जता सकते हैं, सरकारों को जिम्मेदार ठहरा सकते हैं, और नीतिगत सुधार ला सकते हैं। भारत और यूरोप दोनों में विपक्ष, सामाजिक संगठनों और छात्रों द्वारा चलाये जा रहे सरकार विरोधी प्रदर्शन दिखाते हैं कि जनभावना भड़काने वाले नेता एक से ही तरीकों पर भरोसा करते हैं – जैसे सरकार विरोधियों को दुश्मन मानना, राजनीतिक विरोधियों को सही विकल्प के तौर पर नहीं, बल्कि लोगों के दुश्मन या देश के लिए खतरा बताना। सरकारें लोकतांत्रिक प्रक्रिया (जैसे नियमित चुनाव) के बाहरी आवरण को बचाने की कोशिश करती हैं, जबकि स्वायत्त संस्थानों, न्यायपालिका, और निगरानी रखने वाले निकायों को खत्म कर देती है। हाल ही में नई दिल्ली में विपक्ष के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों और अलग–अलग सिविल सोसाइटी गुटों के समर्थन ने संस्थागत आजादी, चुनाव आयोग और शासन के बारे में चल रही सार्वजनिक बहस को उजागर किया। ये आंदोलन गहरी जन चिंता और सक्रिय लोकतांत्रिक मजबूती दोनों को दिखाते हैं। शांतिपूर्ण असहमति सत्ता पर एक जरूरी रोक का काम करती है, जिससे चुनाव के दिन से बहुत पहले ही हाशिए पर या अल्पसंख्यक आवाजें फैसले लेने पर असर डाल सकती हैं। दुनिया भर में चुनी हुई सरकारें जनता की नाराजगी, युवाओं के सड़कों पर होने वाले प्रदर्शनों और बदलते चुनावी माहौल के कारण बहुत ज्यादा दबाव का सामना कर रही हैं। कई लोकतंत्रों में नागरिकों को लगता है कि सत्ता एक ऐसे शासक वर्ग या बड़ी टेक कंपनियों के हाथों में सिमट गई है, जो आम लोगों से कटे हुए हैं। इसके चलते पारंपरिक संस्थाओं के प्रति लोगों में भारी निराशा पैदा हुई है। कई देशों में स्वतंत्र जांच और संतुलन, चुनावी नियम और नागरिक स्वतंत्रताएं दबाव में आ गई हैं। यूरोप में, फ्रांस, स्पेन, इटली, बेल्जियम, पुर्तगाल, ग्रीस और अल्बानिया जैसे देशों में युवाओं के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए हैं, जिन्होंने सरकारों को आर्थिक और सामाजिक शिकायतों पर ध्यान देने के लिए मजबूर किया है। ब्राजील और सर्बिया जैसे देशों में हाल ही में हुए महत्वपूर्ण चुनावों में मतदाताओं के बीच गहरा ध्रुवीकरण देखने को मिला, जहां लोग मौजूदा नेतृत्व और लोकतांत्रिक मानदंडों के या तो पक्ष में थे या उनके खिलाफ। इस स्थिति का एक बड़ा उदाहरण भारत में देखने को मिला है, जहां चुनावी सूचियों में बदलाव को लेकर सरकार को जनता के भारी विरोध का सामना करना पड़ रहा है। देश के चुनाव आयोग ने मतदाता सूचियों का शविशेष गहन पुनरीक्षणश (एसआईआर) किया, जिसके तहत 13 करोड़ से अधिक नाम हटा दिए गए। केंद्र सरकार और भाजपा शासित राज्यों के अधिकारियों का तर्क है कि मतदाता सूची से डुप्लिकेट, मृत और फर्जी मतदाताओं के नाम हटाकर डेटा को दुरुस्त करना जरूरी था। सरकार ने अब इसके जवाब में एक बड़ा अभियान छेड़ दिया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुद हैदराबाद में एक पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि वे एसआईआरके खिलाफ वोट बचाओ अभियान चलाने के बजाय घुसपैठिए बचाओ अभियान चला रहे हैं। कोलकाता में, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन और पश्चिम बंगाल के नेता सुवेंदु अधिकारी ने एक बड़ी रैली निकाली, जिसमें उन्होंने चुनावी निष्पक्षता को लेकर विपक्ष के दावों को चुनौती दी। दुर्भाग्य से, चुनी हुई सरकारें अक्सर यह भूल जाती हैं कि लोकतंत्र में जनता का विरोध प्रदर्शन एक महत्वपूर्ण श्सेफ्टी वाल्वश और जवाबदेही तय करने का जरिया होता है। इसके जरिए नागरिक अपनी शिकायतें रख सकते हैं, सरकारी नीतियों को चुनौती दे सकते हैं और नियमित चुनावों के अलावा सार्वजनिक मामलों में अपनी भागीदारी निभा सकते हैं। कार्यकाल के बीच में होने वाले सामाजिक असंतोष से निपटने के लिए एक संतुलन बनाना जरूरी है–जिसमें कानून–व्यवस्था बनाए रखने, लोकतांत्रिक सिद्धांतों का पालन करने और जनता की नाराजगी के मूल कारणों को दूर करने के बीच तालमेल हो। सरकार को जनता की शिकायतों को पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से स्वीकार करना चाहिए, और ऐसी उपेक्षापूर्ण बयानबाजी से बचना चाहिए जिससे तनाव और बढ़ सकता है। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सुरक्षा बल कानून–व्यवस्था बनाए रखें, लेकिन साथ ही मानवाधिकारों और शांतिपूर्ण विरोध के संवैधानिक अधिकार का भी पूरा सम्मान करें। अत्यधिक पुलिस बल का इस्तेमाल अक्सर उल्टा पड़ जाता है और बिखरे हुए विपक्ष को एकजुट कर देता है। सरकार को अपने फैसलों, वित्तीय बाधाओं या नीतियों की समय–सीमा के बारे में स्पष्ट और आसानी से उपलब्ध डेटा देकर गलत सूचनाओं का मुकाबला करना चाहिए। जब कोई सरकार अपने ही नागरिकों के सार्वजनिक विरोध–प्रदर्शनों के खिलाफ जवाबी प्रदर्शन आयोजित करती है या उन्हें प्रायोजित करती है, तो इसे अपनी सत्ता चमकाने, लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने और असहमति को दबाने के प्रयास के रूप में देखा जाता है।



फिरोजी लहंगे में राजकुमारी सी लगीं राधिका अंबानी, पल्लू पर लगे सिक्कों ने खींचा ध्यान

वेडिंग सीजन में अगर आप भी कुछ रॉयल और हटकर पहनने की सोच रही हैं, तो राधिका मर्चेंट अंबानी का यह खूबसूरत लहंगा लुक आपके लिए परफेक्ट इंस्पिरेशन हो सकता है। मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के खास डिजाइन किए फिरोजी लहंगे में राधिका किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रही हैं। इस आउटफिट की खासियत इसका खूबसूरत रंग, बारीक कढ़ाई और दुपट्टे पर लगे सिक्कों जैसे लटकन हैं। उनका यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न फैशन का शानदार मेल है। राधिका ने मनीष मल्होत्रा का कस्टम हैंडवोवन ब्रोकेड लहंगा पहना है। इसमें फिरोजी, मिंट, रोज पिंक और लिलाक रंगों के धागों से खूबसूरत कढ़ाई की गई है। इसका एंटीक गोल्ड बेस आउटफिट को रॉयल लुक देता है। खास बात यह है कि लहंगे पर की गई रंगीन कारीगरी इसे किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसा एहसास देती है। इसके साथ उन्होंने फिरोजी रंग का ब्लाउज पहना है, जिस पर गुलाबी और मल्टीकलर फ्लोरल मोटिफ्स बनाए गए हैं। ब्लाउज की स्वीटहार्ट नेकलाइन, कैप स्लीव्स और बारीक बीडवर्क इसे बेहद खास बनाते हैं। स्लीव्स पर दिया गया मेटैलिक बॉर्डर भी लुक में चार चांद लगा रहा है। राधिका के इस लुक की सबसे खास बात उनका ऑम्ब्रे बांधनी दुपट्टा है। इसका रंग फिरोजी से हल्के मिंट ग्रीन की ओर जाता है। दुपट्टे पर ब्रोकेड वर्क किया गया है, जबकि किनारों पर क्रिस्टल से सजे सिक्कों जैसे लटकन लगाए गए हैं। यह डिटेल पूरे आउटफिट को एक शाही और पारंपरिक टच देती है। ज्वेलरी की बात करें तो राधिका ने लहंगे के साथ पिंक स्टोन्स और छोटे मोतियों

> “
> मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा के खास डिजाइन किए फिरोजी लहंगे में राधिका किसी राजकुमारी से कम नहीं लग रही हैं। इस आउटफिट की खासियत इसका खूबसूरत रंग, बारीक कढ़ाई और दुपट्टे पर लगे सिक्कों जैसे लटकन हैं। उनका यह लुक पारंपरिक कारीगरी और मॉडर्न फैशन का शानदार मेल है।

वाले ड्रॉप्स से सजा स्टेटमेंट चोकर नेकलेस पहना है। इसके अलावा दोनों हाथों में बारीक नक्काशी वाली गोल्ड चूड़ियांउनके लुक को और खूबसूरत बना रही हैं। उन्होंने हैवी ज्वेलरी के बजाय चुनिंदा एक्सेसरीज को तरजीह दी, जिससे आउटफिट की खूबसूरती और निखरकर सामने आई। राधिका ने अपने बालों को नेचुरल वेव्स में खुला रखा है और हाफ–टाई हेयरस्टाइल के साथ उन्हें सॉफ्ट लुक दिया है। बालों में लगे छोटे गुलाबी फूलों ने उनके पारंपरिक अंदाज को और खास बना दिया। वहीं, हल्का ग्लोइंग मेकअप और प्यारी सी मुस्कान उनके पूरे लुक को बेहद एलिगेंट बना रही है। राधिका का यह फोटोशूट किसी आर्ट फ्रेम से कम नहीं लग रहा। तस्वीरों में वह फिरोजी और गेरुए रंग के पैटर्न वाले गलीचे पर बैठी नजर आ रही हैं। उनके साथ दिखाई दे रहा सफेद इंग्लिश बुलडॉग भी तस्वीरों को खास बना रहा है। राधिका की मुस्कान और उनका शाही लहंगा लुक इस फोटोशूट को और आकर्षक बना रहे हैं। अगर आप शादी, मेहंदी, संगीत या किसी खास पारिवारिक फंक्शन में रॉयल लुक चाहती हैं, तो राधिका का यह अंदाज शानदार इंस्पिरेशन है। फिरोजी और मिंट जैसे सॉफ्ट रंग, फ्लोरल कढ़ाई, बांधनी दुपट्टा और सिक्कों वाले लटकन आपके पारंपरिक लुक को खास बना सकते हैं।



तलाक की चर्चाओं के बीच गोविंदा की बाहों में कोमल रानी, वायरल हुई रोमांटिक तस्वीरें, भड़की राखी सावंत

बॉलीवुड एक्टर गोविंदा और कोमल रानी स्वर्णकार एक बार फिर खबरों में हैं क्योंकि कोमल ने हाल ही में अपनी आने वाली फिल्म रूपा के प्रमोशनल फोटोशूट की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। कोमल रानी द्वारा इंस्टाग्राम पर शेयर की गई इन तस्वीरों के बाद, उनके पर्सनल रिलेशनशिप की अफवाहों ने फिर से जोर पकड़ लिया है। तस्वीरों में दोनों एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। कोमल ने इन तस्वीरों को अपने इंस्टाग्राम पर कैप्शन के साथ शेयर किया, रूपा की खूबसूरत झलकियां। तस्वीरों में गोविंदा सफेद ब्लेजर, काली पैंट और सनग्लासेस में नजर आ रहे हैं, जबकि कोमल ने पर्पल ब्लाउज के साथ लैवेंडर साड़ी पहनी हुई है। कई तस्वीरों में दोनों रोमांटिक अंदाज में पोज देते नजर आ रहे हैं। गौरतलब है कि गोविंदा और कोमल के रिलेशनशिप को लेकर लगातार चर्चाएं हो रही हैं। सितंबर में दोनों को मुंबई के लालबागचा राजा पंडाल में एक साथ माथा टेकते देखा गया था, जिसे गोविंदा ने फिल्म रूपा से जुड़ी एक विजिट बताया था। उन्होंने कहा था कि कोमल के साथ उनका रिलेशनशिप पूरी तरह से प्रोफेशनल है। दूसरी तरफ, गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा ने इस मामले पर कड़ा हमला करते हुए गोविंदा को कोमल का शुगर डैडी कहा था और दोनों पर शादी करने की प्लानिंग करने का आरोप लगाया था। जवाब में कोमल रानी ने सुनीता का नाम लिए बिना इंस्टाग्राम पर लिखा था कि पहले से टूटे हुए घर को कोई नहीं तोड़ सकताष और सुनीता पर सहानुभूति पाने के लिए शविक्टिम कार्डश खेलने का आरोप लगाया था। जैसे ही कोमल रानी ने सोशल मीडिया पर गोविंदा संग तस्वीरें पोस्ट की तो राखी सावंत गुस्से से भड़क उठीं और उन्होंने गुस्से वाले इमोजी भी कमेंट किए। यह पहली बार नहीं है जब राखी को गुस्सा आया है। इससे पहले भी उन्होंने कोमल रानी को खूब खरी खोटी सुनाई है और सुनीता आहूजा का साथ दिया है।

छठ पूजा की आस्था ने छुआ आयुष्मान खुराना का दिल, पहली बार त्योहार मनाने का अनुभव किया साझा



अभिनेता आयुष्मान खुराना अपनी आगामी फिल्म 'ये प्रेम मोल लिया' के जरिए भारतीय त्योहारों और परंपराओं की खूबसूरती को पर्दे पर पेश करने के लिए तैयार हैं। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में आयुष्मान के साथ शरवरी नजर आएंगी। फिल्म का खास गाना 'बुलाए छठी मां' छठ पूजा की आस्था, भक्ति और सांस्कृतिक महत्व को दर्शाता है। इस गाने के जरिए दर्शकों को देश के प्रमुख त्योहारों में शामिल छठ पूजा की भावनात्मक झलक देखने को मिलेगी। इस गाने की शूटिंग आयुष्मान खुराना के लिए कई मायनों में खास रही। पंजाबी परिवार से ताल्लुक रखने वाले अभिनेता ने इससे पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। ऐसे में फिल्म के दौरान पहली बार इस पर्व की परंपराओं को करीब से देखना और उसका हिस्सा बनना उनके लिए एक नया अनुभव रहा। आयुष्मान का कहना है कि छठ पूजा से जुड़ी श्रद्धा और लोगों को एक साथ जोड़ने वाली इसकी भावना ने उन्हें काफी प्रभावित किया। अपने अनुभव को साझा करते हुए अभिनेता ने कहा, "पंजाबी परिवार से होने के कारण मैंने पहले कभी छठ पूजा नहीं मनाई थी। इसलिए पहली बार इस त्योहार का अनुभव करना मेरे लिए बेहद खास रहा। इस पर्व की सबसे खूबसूरत बात इसकी भावनाएं और इसका महत्व है। छठ पूजा लोगों को जिस तरह एक साथ लाती है, वह काफी प्रभावित करने वाला है। यहां की हर परंपरा और रस्म के पीछे गहरी आस्था और भक्ति जुड़ी हुई है। मेरे लिए यह सिर्फ एक गाने की शूटिंग नहीं थी, बल्कि एक ऐसी परंपरा को जानने का मौका था, जिसका अनुभव मैंने पहले कभी नहीं किया था। आयुष्मान ने शूटिंग के दौरान का एक भावुक किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि छठ पूजा के क्लाइमैक्स सीन को फिल्माने से पहले निर्देशक सूरज बड़जात्या ने पूरी कास्ट को एक जगह इकट्ठा किया और छठ पूजा का गाना सुनाया। इस दौरान वहां मौजूद सभी लोग भावुक हो गए और कई लोगों की आंखों में आंसू आ गए। आयुष्मान के मुताबिक, यह पल पूरी टीम के लिए बेहद यादगार बन गया। अभिनेता ने कहा कि पूरी कास्ट सूरज बड़जात्या के उस प्रयास से प्रभावित थी, जिसमें उन्होंने छठ पूजा की ध ार्मिक परंपराओं और उनसे जुड़ी भावनाओं को पूरी संवेदनशीलता और वास्तविकता के साथ पर्दे पर उतारने की कोशिश की। गौरतलब है कि छठ पूजा बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ में विशेष श्रद्धा के साथ मनाई जाती है। इसके अलावा दिल्ली, मुंबई, पश्चिम बंगाल और ओडिशा सहित देश के कई अन्य हिस्सों में भी बड़ी संख्या में लोग इस पर्व को मनाते हैं। सूर्य उपासना से जुड़े इस त्योहार में आस्था, समर्पण, कृतज्ञता और परिवार के साथ मिलकर परंपराओं को निभाने की भावना देखने को मिलती है।'ये प्रेम मोल लिया' के जरिए आयुष्मान खुराना पहली बार सूरज बड़जात्या के साथ काम कर रहे हैं। सूरज बड़जात्या की फिल्मों में परिवार, रिश्तों और भारतीय संस्कृति को हमेशा खास स्थान मिला है। इस फिल्म में भी त्योहारों और परंपराओं को संगीत और भावनाओं के साथ जोड़कर पेश किया गया है। 'बुलाए छठी मां' इसी सांस्कृतिक विरासत को दर्शाने वाला एक खास गीत है।

पिछले जन्म में राजा थे संजय दत्त, पत्नी का मंत्री के साथ था अफेयर

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त जब सुष्मिता सेन के साथ मशहूर चौट शो कॉफी विद करण के सीजन 5 में पहुंचे, तो उन्होंने अपने पिछले जन्म से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा सुनाया। मुन्ना भाई एमबीबीएस के अभिनेता ने बताया कि उन्हें पता चला कि पिछले जन्म में वे एक राजा थे, जिन्हें उनकी पत्नी ने धोखा दिया था। इस धोखे से दुखी होकर, उन्होंने जंगल में जाकर खाना–पीना छोड़ दिया और अंततः उनकी मृत्यु हो गई। उन्होंने आगे बताया कि उनके एक दोस्त ने उन्हें एक गांव जाने का सुझाव दिया था। शो के होस्ट करण जौहर से बात करते हुए संजय ने कहा–वहां एक छोटा सा गांव है, जहां आपको अपना अंगूठे का निशान देना होता है और वे आपके नाम का पत्ता (ताड़पत्र) ढूंढ निकालते हैं। मुझे भी अपना पत्ता मिल गया, जिसमें मेरे पिछले जन्म के बारे में बताया गया था। उसमें लिखा था कि मैं अशोक राजवंश का एक राजा था। मेरी पत्नी का मेरे ही एक मंत्री के साथ अफेयर था। उसने मुझे मारने के लिए युद्ध में भेज दिया, लेकिन मैंने वहां कई लोगों को मार डाला और वापस लौट आया। जब मुझे सच्चाई का पता चला, तो मैंने अपनी पत्नी और उस मंत्री, दोनों को मार डाला। मैं भगवान शिव का भक्त था, इसलिए मैं जंगल में चला गया और वहां भूखे रहकर अपने प्राण त्याग दिए। संजय ने आगे कहा कि शायद अपने पिछले जन्म के अच्छे कर्मों की वजह से ही उनका जन्म एक अच्छे परिवार में हुआ है। हालांकि, उनका यह भी मानना घ्है कि पिछले जन्म में की गई उन हत्याओं के कारण ही उन्हें इस जीवन में कई मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। संजय ने कहा–इसी वजह से मेरा जन्म एक अच्छे परिवार में हुआ। और इसी वजह से मैं आज जिस तरह से जी रहा हूं, जी रहा हूं। इसी वजह से मुझे यह करियर मिला है। लेकिन पिछले जन्म में मैंने जो हत्याएं की थीं, मुझे उनकी कीमत चुकानी पड़ रही है।



एक्टर टिन्नू आनंद की पसलियां टूटने से फेफड़े में हुआ छेद, मौत के मुंह से निकल कर लौटे वापस

जाने–माने अभिनेता और फिल्म निर्माता टिन्नू आनंद, जो गिरने के कारण 5 पसलियों के टूटने और फेफड़े में चोट (पंक्चर) लगने से घायल हो गए थे, ने बताया कि उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल गई है और वे घर पर ठीक हो रहे हैं। आनंद को गुरुवार को मुंबई के उपनगर स्थित कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हादसे के बाद उन्हें वहां के इंटेंसिव केयर यूनिट (आईसीयू) में भर्ती कराया गया था।अमिताभ बच्चन अभिनीत फिल्मों जैसे कालिया, शहंशाह, मैं आजाद हूं और मेजर साहब के निर्देशन के लिए मशहूर आनंद ने पीटीआई को बताया– मैं 14 दिनों के बाद घर आ गया हूं और अब काफी बेहतर महसूस कर रहा हूं। मुझे तब तक बिस्तर पर आराम करना है, जब तक कि डॉक्टर यह न कह दें कि श्अब आप बाहर जा सकते हैं। 81 वर्षीय निर्देशक ने बताया कि वे अपने घर पर ही गिर गए थे। उन्होंने कहा–मैं रात में चल रहा था और लाइटें बंद थीं तभी अचानक मैं गिर गया और उसके बाद सो गया। अगली सुबह मुझे पता चला कि मुझे फ्रैक्चर हुआ है इसलिए मेरी बेटी मुझे अस्पताल ले गई। टिन्नू आनंद को गंभीर चोटें आईं, जिसके चलते उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उनकी पांच पसलियां टूट गई थीं, और टूटी हुई पसलियों में से एक उनके फेफड़े में धंस गई थी, जिससे उनकी हालत काफी गंभीर हो गई थी। उनका इलाज मुंबई के कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में हुआ, जहाँ उन्हें आईसीयू में रखा गया था। बाद में उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक्टर ने बताया–आईसीयू स्कैन के बाद पता चला कि मुझे 5 फ्रैक्चर हुए हैं। मुझे याद नहीं कि मैंने वह समय कैसे बिताया, लेकिन अब मैं ठीक हूंष। इस बीच अपनी रिकवरी योजना के तहत टिन्नू घर पर ही फिजियोथेरेपी ले रहे हैं। गौरतलब है कि टिन्नू आनंद या उनके परिवार की ओर से उनके स्वास्थ्य या डबिंग के इन अनुरोधों को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। अग्निपथ, खिलाड़ी, दामिनी, कोहरा, क्रांतिवीर, त्रिमूर्ति, चाइना गेट, साथिया, ब्लफमास्टर, साहो और मेरी क्रिसमस जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए जाने जाने वाले आनंद को डॉक्टरों ने बेड रेस्ट की सलाह दी है और वे घर पर ही फिजियोथेरेपी ले रहे हैं। आनंद ने कहा, मैं घर पर आराम कर रहा हूं। उन्होंने आगे बताया कि उन्हें उम्मीद है कि अगले महीने वे दक्षिण भारतीय भाषाओं की अपनी दो फिल्मों पर काम शुरू कर सकेंगे।



पाचन की समस्याओं को दूर करने के लिए घर पर बनाएं आंवले खट्टी-मिठी डाइजेस्टिव गोली, नोट करें रेसिपी

आंवला एंटीऑक्सीडेंट और विटामिन सी से भरपूर होता है। आंवला इम्यूनिटी बूस्ट करने में कारगर साबित हो सकता है। आंवले के सेवन से हेल्थ ठीक रहती है। आंवले का जूस पीने से शरीर हेल्दी है। आंवले को डाइट में शामिल करने से पाचन संबंधी समस्याओं में लाभदायक होता है। आप भी अपने घर पर बेहद आसान तरीके से डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी गोलियां बनाएं। इसे बच्चे से लेकर बड़े भी खूब खाना पसंद करेंगे।

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने के लिए सामग्री

– 500 ग्राम आंवला
– एक कप गुड़
– सेंधा नमक स्वादानुसार
– काला नमक एक चम्मच
– काली मिर्च पाउडर एक चम्मच
– भुना जीरा एक चम्मच
– आधा कप पिसी चीनी
– एक चौथाई चम्मच हींग
– नींबू का रस

आंवले की खट्टी–मीठी गोली बनाने की विधि

– इसके लिए आप आंवले को अच्छे से धो लें। इसके बाद कूकर में उबाल लें।

– उबले आंवले को कूकर से निकालें और ठंडा होने के लिए रख दें। जब ये ठंडे हो जाएं तो आवले की गुठली को निकाल दें।

– अब आप आंवलों को मिक्सी में डालकर पीस लें और पेस्ट तैयार कर लें। ध्यान रहे कि आंवला बारीक पीसा हुआ। पीसने में पानी का थोड़ा इस्तेमाल करें।

– इसके बाद पैन गर्म करें और एक कप गुड़ डालें। इसके साथ ही पिसा हुआ आंवले का पेस्ट भी जरुर डालें।

– धीरे–धीरे मिक्स करते हुए आप इसे भूनें। गैस को धीमा ही रखें फिर अब इसमें सारे मसाले डाल दें। भुना हुआ जीरा, काली मिर्च, हींग, काला नमक, सेंधा नमक सब डाल दें, फिर इसे अच्छे से भूनें।

– आप इसे जब तक चलाएं कि ये गाढ़ा ना हो जाए। जब गाढ़ा हो जाए तो इक्ड्डा तो गैस को बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।

– प्लेट पर पिसी चीनी डालें और तैयार आंवले की छोटी गोली बनाएं और पिसी चीनी को इस पर लपेटें।

– तैयार है आपकी डाइजेस्टिव खट्टी–मीठी आंवले की गोली।

सिर्फ 2 चीजों से बनाएं घर पर नेचुरल लिप बाम, सर्दियों में होंठ फटने की टेंशन होगी खत्म

सर्दियों के मौसम में होंठ फटना एक आम समस्या है। ठंडी हवा, पानी की कमी और धूप के कारण होंठों की नमी छिन जाती है, जिससे वे रूखे और पपड़ीदार हो जाते हैं। बाजार के महंगे लिप बाम या ग्लॉस कुछ समय के लिए ही राहत देते हैं, लेकिन उनका असर लंबे समय तक नहीं टिकता। ऐसे में घर पर बना नेचुरल लिप बाम सबसे अच्छा विकल्प है।

सर्दियों में क्यों फटते हैं होंठ?

सर्द हवाओं और कम हाइड्रेशन की वजह से स्किन की



नमी खत्म हो जाती है। होंठों में तेल ग्रंथियां नहीं होतीं, इसलिए वे जल्दी सूख जाते हैं। इसीलिए उन्हें ऐसी चीज की जरूरत होती है जो अंदर तक नमी दे और होंठों का नेचुरल कलर बनाए रखे।

सिर्फ दो चीजों से बनाएं नेचुरल लिप बाम

1 चम्मच घी

1 चम्मच चुकंदर का रस

दोनों ही नेचुरल मॉइस्चराइजर हैं। घी होंठों की ड्राइनेस खत्म करता है, जबकि चुकंदर का रस उन्हें नेचुरली गुलाबी टिंट देता है।

लिप बाम बनाने का आसान तरीका

एक छोटे बाउल में घी लें।

इसमें चुकंदर का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स करें।

मिश्रण को 10द्15 मिनट के लिए फ्रिज में रख दें ताकि यह थोड़ा जम जाए।

अब निकालें और आपका घर का बना नेचुरल लिप बाम तैयार है।

इसे रोज रात को सोने से पहले लगाएं। हफ्तेभर में ही होंठ मुलायम और गुलाबी दिखने लगेंगे।

इस लिप बाम के फायदे

होंठों को डीपली मॉइस्चराइज करता है।

डेड स्किन हटाकर नैचुरल पिंक कलर लाता है।

रोजाना इस्तेमाल से होंठ मुलायम, गुलाबी और चमकदार बनते हैं।

पूरी तरह केमिकल–फ्री और बजट–फ्रेंडली है।

इसे कैसे स्टोर करें: लिप बाम को छोटे कंटेनर में फ्रिज में स्टोर करें। यह 10–12 दिन तक ताजा रहता है। हल्का–हल्का लगाने पर दिनभर होंठों की नमी बरकरार रहती है।



कोयले से बने चारकोल फेस मास्क से मिलेगी दमकती बेदाग त्वचा, घर पर ऐसे बनाकर करें तैयार

हर फंक्शन और त्योहारों के मौके पर लोग अपने स्किन का खास ख्याल रखते हैं। वहीं धूल, मिट्टी, पसीने और पॉल्यूशन का भी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। फिर भले ही आप फेस वॉश के इस्तेमाल से चेहरे की गंदगी साफ हो जाती है, लेकिन इसकी संभावना अधिक है कि केमिकल वाले ये फेस वॉश आपकी त्वचा को ड्राई कर सकते हैं या फिर पिंपल्स ला सकते हैं। आमतौर पर स्किन से गंदगी साफ करने के लिए हमारी पहली चॉइस चारकोल फेसवॉश होती है। बता दें कि मार्केट में मिलने वाले प्रोडक्ट्स में कई केमिकल्स मिले होते हैं। अगर हम आपसे कहें तो आप घर पर 2 टुकड़े कोयले की मदद से फेस मास्क बना सकते हैं। चेहरे के अंदर तक की गंदगी को साफ कर सकते हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको घर पर कोयले से बने फेस मास्क बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं।

स्किन बेनिफिट्स

फेस पर चारकोल का इस्तेमाल करने से गंदगी को साफ करने के लिए किया जाता है। यह हमारी त्वचा से एक्स्ट्रा तेल को साफ करने, स्किन टोन को इवन करने और पोर्स को क्लीन करने में मदद करता है। इससे आपकी त्वचा हमेशा चमकती रहती है।

चारकोल फेस मास्क की सामग्री

कोयला– 2 टुकड़े (3–3 इंच के)

नींबू– 2

मुल्तानी मिट्टी– –1/2 चम्मच

एलोवेरा जेल– 1 चम्मच

गुलाब जल– जरूरत अनुसार

नोट– आप चाहें तो मुल्तानी मिट्टी की जगह इसमें बेसन या फिर दही डाल सकते हैं। वहीं गुलाबजल न होने पर आप इसमें नॉर्मल पानी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ऐसे बनाएं चारकोल फेस मास्क

सबसे पहले एक बाउल में एक चम्मच कोयला पाउडर, एलोवेरा जेल, 2 चम्मच मुल्तानी मिट्टी और जरूरत अनुसार गुलाबजल डालकर इन सभी को अच्छे से मिक्स कर लें।

ऐसे करें अप्लाई

इस चारकोल फेस को 10 मिनट के लिए चेहरे पर अप्लाई करें और इसको सूखने के लिए छोड़ दें।

फिर फेस वॉश कर लें, आप देखेंगे कि चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी और चेहरे पर निखार भी आएगा।

आप इसको सप्ताह में दो बार इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपकी त्वचा साफ होगी।

इन चीजों का करें इस्तेमाल

इस फेस मास्क में आप मुल्तानी मिट्टी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। आप चाहें, तो इसके बेसन या दही भी एड कर सकते हैं। क्योंकि यदि आप इन चीजों को नहीं मिलाते हैं, तो डायरेक्ट कोयला चेहरे पर लगाने से फेस काला पड़ सकता है। वहीं बेसन और मुल्तानी मिट्टी हमारी स्किन के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद होता है।

पत्नी के साथ विदेश घूमने का सपना होगा पूरा, जेब भी ज्यादा नहीं होगी ढीली

ऐसा शायद ही कोई होगा, जिसको विदेश घूमने का शौक नहीं होगा। हर कोई साल में एक बार फॉरेन ट्रिप तो जरूर करना चाहता होगा। लेकिन कई लोग बजट के कारण विदेश नहीं जा पाते हैं। ऐसे में अगर आप विदेश घूमने जाना चाहते हैं, लेकिन बजट के कारण नहीं जा पा रहे हैं, तो आपको परेशान होने की जरूरत नहीं है। क्योंकि आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपके लिए कुछ ऐसे सस्ते विदेश ट्रिप लेकर आए हैं, जो आपके बजट में फिट बैठ जाएंगे।

आप इन जगहों पर घूमने के साथ–साथ एक से एक बेहतरीन जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं। बता दें कि इन जगहों पर घूमने के लिए आपको करीबर 1 से 2 लाख रुपए के बीच खर्च आएगा। तो आइए जानते हैं इन जगहों के बारे में...

सामोआ

दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित सामोआ एक छोटा सा द्वीप राष्ट्र है, जोकि हवाई और न्यूजीलैंड के बीच में पड़ता है। सामोआ पोलिनेशिया का भी हिस्सा है और कई छोटे–छोटे द्वीपों से मिलकर बना है। सामोआ अपने हरे–भरे नजाओं, जीवंत संस्कृति और प्राचीन समुद्र तटों के लिए जाना जाता है।

बारबाडोस

बारबाडोस पूर्वी कैरिबियन में स्थित है, यह जगह समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, समुद्र तटों और जलवायु के लिए जानी जाती है। इस देश की राजधानी ब्रिजटाउन है। जो सबसे बड़े शहर के रूप में फेमस है। बारबाडोस अपने सफेद–रेतील, कोरम रीफ्स और



क्रिस्टल वॉटर के लिए फेमस है। यह पर्यटकों के लिए फेमस डेस्टिनेशन है। यहां पर आप स्कूबा डाइविंग और स्नॉर्कलिंग जैसी कई एक्टिविटीज कर सकते हैं।

नेपाल

नेपाल भी अपने खूबसूरत नजारों के लिए काफी ज्यादा फेमस है। नेपाल की हिमालय रेंज पर्यटकों को मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां पर हिमालय की ऊंची–ऊंची चोटियां जैसे माउंट एवरेस्ट दुनियाभर में फेमस है। यहां की राजधानी और सबसे बड़ा शहर काठमांडी देश की आर्थिक, संस्कृति और राजनीति का केंद्र बना हुआ है।

भूटान

बता दें कि भूटान एक छोटा लैंडलॉक राज्य है। यह पूर्वी हिमालय में स्थित है, जोकि भारत और चीन से सीमाबद्ध है। यहां पर हैरान कर देने वाले पहाड़ी नजारों, पर्यावरण संरक्षण और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के लिए जाना जाता है। भूटान को श्अंतिम शांगरी–लाश के रूप में जाना जाता है।

मालदीव

मालदीव भी कपल्स के लिए जन्नत से कम नहीं है। यह भारतीय महासागर में स्थित है। बता दें कि मालदीव श्रीलंका और भारत के दक्षिण–पश्चिम की तरफ पड़ती है। यहां पर हैरान कर देने वाले सफेद–रेतीले समुद्र तटों, समुद्री जीवन और क्रिस्टल वॉटर के लिए जाना जाता है। यह देश की राजधानी माले दुनिया की सबसे छोटी राजधानियों में से एक है।

मॉरीशस

मॉरीशस भारतीय महासागर में स्थित है। यह फिरोजी लैगून, प्राचीन समुद्र तटों और हरे–भरे जंगलों के लिए फेमस है। यह पर्यटकों का फेवरेट डेस्टिनेशन है। जोकि प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विविधता का मिश्रण है। मॉरीशस द्वीप की राजधानी और सबसे बड़ा शहर पोर्ट लुइस देश के आर्थिक और राजनीतिक केंद्र के रूप में काम करने के लिए जाना जाता है।



अनजाने में रोजाना वाइट प्वाइजन खा रहे हैं आप, नहीं छोड़ा तो लगाने पड़ेंगे डॉक्टरों के चक्कर

आजकल लोगों में खाने को लेकर ज्ञान की कमी है, वह अनजाने मे ऐसी चीजों का सेवन कर लते हैं जो आगे चलकर उनके लिए काफी मुश्किलें खड़ी कर सकता है। सर्दियों में कुछ सफेद खाद्य पदार्थों का अधिक सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है, विशेषकर उन लोगों के लिए जो कुछ खास स्वास्थ्य समस्याओं से ग्रस्त हैं। यहां कुछ सफेद खाद्य पदार्थ और उनके संभावित नुकसान के बारे में बताया गया है, जिसे अपने थाली से हटा देना ही सही रहेगा।

चीनी

चीनी का अधिक सेवन वजन बढ़ने, डायबिटीज, और इम्यूनिटी में कमी का कारण बन सकता है। ठंड में हमारा शरीर अधिक ऊर्जा की आवश्यकता महसूस करता है, जिससे लोग मीठा खाने की ओर अधिक आकर्षित होते हैं। लेकिन, यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। डायबिटीज के मरीज, हृदय रोग से पीड़ित लोग और वजन कम करने वाले व्यक्तियों को इसका सेवन नहीं करना चाहिए।

सफेद चावल

सफेद चावल में फाइबर की कमी होती है और इसका ग्लाइसेमिक इंडेक्स अधिक होता है, जिससे यह ब्लड शुगर को तेजी से बढ़ाता है। डायबिटीज के मरीजों, वजन घटाने वाले और इंसुलिन प्रतिरोध वाले व्यक्तियों को सफेद चावल से बचना चाहिए।

मैदा

मैदा (सफेद आटा) में फाइबर और पोषक तत्व बहुत कम होते हैं। यह पेट में भारीपन, कब्ज और सूजन की समस्या पैदा कर सकता है। पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त लोग, डायबिटीज के मरीज, और जो वजन घटाने की प्रक्रिया में हैं, उन्हें मैदे से बने खाद्य पदार्थों का सेवन कम करना चाहिए।

नमक

सर्दियों में नमक का अधिक सेवन हृदय संबंधी समस्याओं, उच्च रक्तचाप और किडनी पर बुरा असर डाल सकता है। ठंड में नमक से पानी की कमी हो सकती है और सूजन की समस्या हो सकती है। उच्च रक्तचाप के मरीज और किडनी से जुड़ी समस्याओं वाले लोग नमक का सीमित सेवन करें।

डेयरी उत्पाद

ठंड में दूध या अन्य डेयरी उत्पाद ठंड और एलर्जी को बढ़ा सकते हैं, जिससे बलगम और सर्दी–खांसी की समस्या हो सकती है। इनसे पेट में भारीपन भी महसूस हो सकता है। जिन्हें सर्दी–खांसी, बलगम या एलर्जी की समस्या होती है, वे ठंड में डेयरी उत्पादों से बच सकते हैं। सफेद खाद्य पदार्थों के बजाय, आप साबुत अनाज, जौ, बाजरा, रंगीन फल और सब्जियां, और गुड़ जैसी चीजों का सेवन कर सकते हैं, जो सर्दियों में स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद साबित होते हैं।

संक्षिप्त



मलेशिया भारत के साथ डायरेक्ट फ्लाइट बढ़ाने की तैयारी में, नए रूट्स के लिए देगा ग्रांट

मलेशिया अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ानों के लिए अनुदान की मदद से भारत, चीन और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों के साथ सीधा हवाई संपर्क बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। मलेशिया के उप परिवहन मंत्री यांग बरहोरमत दातुक हाजी हस्बी बिन हाजी हबीबुल्लाह ने शुक्रवार को कहा कि सरकार ने 2027 के बजट में पर्यटन, संस्कृति और कनेक्टिविटी कार्यक्रमों के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए हैं। शहर में आयोजित 'एसोसिएशन ऑफ एशिया पैसिफिक एयरलाइंस' (एएपीए) के अध्यक्षों की 70वीं की सभा को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा, ''अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ान प्रोत्साहन अनुदान के जरिये हम अंतरराष्ट्रीय विमानन कंपनियों के साथ मिलकर निवेश कर रहे हैं ताकि चीन, भारत और मध्य एशिया जैसे महत्वपूर्ण बाजारों से सीधी उड़ानें शुरू की जा सकें।'' इस साल जनवरी से अगस्त के बीच मलेशिया में 9,62,983 भारतीय और 2.8 करोड़ अंतरराष्ट्रीय पर्यटक आए। मलेशिया भारत से अधिक पर्यटकों को आकर्षित करना चाहता है। अक्टूबर में घोषित 2027 के बजट में मलेशियाई सरकार ने कहा था कि पर्यटन और संस्कृति के लिए 93.5 करोड़ मलेशियाई रिंगित आवंटित किए जाएंगे। सरकार के अनुसार, इसमें अंतरराष्ट्रीय और चार्टर उड़ान प्रोत्साहन अनुदान भी शामिल है। इसके जरिये चीन, भारत, मध्य एशिया और यूरोप से नए सीधे उड़ान मार्ग शुरू करने के लिए प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस अनुदान का दायरा बढ़ाकर इसमें क्रूज जहाजों, फेरी (नौका) और अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को मलेशिया लाने वाली टूर (पर्यटक/भ्रमण) बसों को भी शामिल किया जाएगा। मलेशिया और भारत के बीच सीधी उड़ानें संचालित करने वाली विमानन कंपनियों में मलेशिया एयरलाइंस, एयर इंडिया और इंडिगो शामिल हैं। मलेशिया की राष्ट्रीय विमानन कंपनी मलेशिया एयरलाइंस ने पिछले महीने कहा था कि उसे भारत में हवाई यातायात की मजबूत मांग दिख रही है और वह देश में अपने नेटवर्क का विस्तार करने की उम्मीद कर रही है।

माइक्रोसॉफ्ट ने बैकएंड सरवर ठप होने की जांच शुरू की, किसी साजिश से किया इनकार

माइक्रोसॉफ्ट की आउटलुक और टीम्स समेत कई सेवाओं में लगातार दूसरे दिन भी व्यवधान बना रहा, जिससे भारत सहित दुनियाभर के उपयोगकर्ताओं को परेशानी हुई। कंपनी ने कहा है कि वह समस्या के कारणों का पता लगा रही है और फिलहाल उसे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है। भारतीय समयानुसार शुक्रवार को पूर्वाह्न 11 बजकर 16 मिनट पर दी गई अद्यतन जानकारी के अनुसार, माइक्रोसॉफ्ट के सेवा स्थिति पृष्ठ पर माइक्रोसॉफ्ट 365 के व्यावसायिक और उद्यम ग्राहकों के साथ-साथ उपभोक्ता उत्पादों के लिए भी ''सेवा में गिरावट'' लिखा दिखा। कंपनी ने कहा कि वह अचानक बढ़े 'ट्रैफिक' के मूल कारण का पता लगाने और अपने बैकएंड सर्वर को फिर से चालू करने के लिए कई स्तरों पर काम कर रही है। कंपनी ने कहा, ''फिलहाल हमें इस घटना के पीछे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि की जानकारी नहीं है।'' उसने कहा कि समस्या दूर होने के बाद घटना की विस्तृत जानकारी मूल कारण से जुड़ी रिपोर्ट में साझा की जाएगी। भारत में विमानन कंपनी इंडिगो ने कहा कि माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक सेवा में व्यवधान के कारण उसकी ईमेल सहायता सेवाएं प्रभावित हुई हैं और वह ग्राहकों के ईमेल प्राप्त नहीं कर पाएगी। विमानन कंपनी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि सहायता के अन्य सभी माध्यम उपलब्ध हैं। उसने तत्काल मदद की जरूरत वाले ग्राहकों से अपनी वेबसाइट या मोबाइल ऐप के जरिये 6ई स्काई से संपर्क करने को कहा। माइक्रोसॉफ्ट 365 सेवाओं की वे सुविधाएं प्रभावित हुई हैं, जो एक्सचेंज ऑनलाइन और ईमेल के साथ काम करती हैं जबकि उन पर निर्भर नहीं रहने वाली सुविधाएं काम कर रही हैं। सेवाओं में आयी बाधा पर नजर रखने वाली वेबसाइट 'डाउनडिटेक्टर' के अनुसार, भारत में उपयोगकर्ताओं ने बृहस्पतिवार रात करीब 11 बजे से समस्याओं की शिकायतें दर्ज करानी शुरू कर दी थीं।

पश्चिम एशिया संकट संकट और तेल कीमतों से एयरलाइंस परेशान

एशिया पैसिफिक एयरलाइंस एसोसिएशन (एएपीए) ने शुक्रवार को कहा कि विमानन उद्योग आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाओं से परेशान है और यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि सतत बदलाव का पूरा बोझ केवल विमानन कंपनियां ही उठाएं। पश्चिम एशिया संकट के कारण विमानन कंपनियों को परिचालन और वित्तीय चुनौतियों का भी सामना करना पड़ रहा है। इस संकट से ईंधन की कीमतें बढ़ी हैं और हवाई क्षेत्र के इस्तेमाल पर भी पाबंदियां लगी हैं। एएपीए के महानिदेशक वोंग होंग ने कहा, ''संघर्ष, तेल की आपूर्ति में बाधाएं, वैश्विक व्यापार तनाव और तेजी से बदलती नीतियां हवाई क्षेत्र तक पहुंच, हवाई यातायात के प्रवाह, ईंधन बाजारों और यहां तक कि विमानन कंपनियों के पूरे नेटवर्क के अर्थशास्त्र को बदल रही हैं।'' संगठन के अध्यक्षों की 70वीं सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, ''आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाएं हमारी सुधार और वृद्धि की महत्वाकांक्षाओं के रास्ते में लगातार परेशानी पैदा कर रही हैं।'' वोंग ने कहा, ''विमानों की आपूर्ति सीमित बनी हुई है। इंजन की उपलब्धता और रखरखाव में आ रही अड़चनें विमानों के बेड़े के इस्तेमाल को प्रभावित कर रही हैं। वहीं, आपूर्ति में लंबे समय तक हो रही देरी से क्षमता की योजना बनाना लगातार मुश्किल होता जा रहा है।'' आपूर्ति श्रृंखला की समस्याओं के कारण विमानों के लंबित ऑर्डर की संख्या 16,000 से अधिक होने का अनुमान है। विमानों की आपूर्ति में लंबा समय लगने से विमानन कंपनियों के अधिक ईंधन दक्षता वाले विमानों को बेड़े में शामिल करने के प्रयासों में भी देरी हो रही है। वोंग ने विमानन उद्योग के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की योजना पर कहा, ''हम सभी विमानन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने की तात्कालिकता को समझते हैं। हकीकत यह है कि यह बदलाव अब भी कठिन, महंगा और असमान है।''

चौथा वनडे: जिस पिच पर न्यूजीलैंड ने बनाए 333, वहां 89 पर कैसे सिमटा भारत ? रनों के अंतर से दूसरी सबसे बड़ी हार



माउंट मोंगानुई। न्यूजीलैंड के खिलाफ भारतीय टीम को वनडे इतिहास की सबसे बड़ी हार का सामना करना पड़ा है। माउंट माउंगानुई में खेले गए चौथे वनडे में न्यूजीलैंड ने भारत को 244 रन से हराया। 334 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 26.4 ओवर में महज 89 रन पर सिमट गई। इसके साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ रनों के अंतर से भारत की सबसे बड़ी वनडे हार का रिकॉर्ड बन गया। इससे पहले भारत को न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे बड़ी हार 200 रन से मिली थी। यह मुकाबला 10 अगस्त 2010 को दांबुला में खेला गया था। वनडे में ओवरऑल रनों के अंतर से भारत की ये दूसरी सबसे बड़ी हार है। सबसे बड़ी वनडे हार का रिकॉर्ड अब भी 245 रन का है। भारतीय टीम 244 रन से हारी, इसलिए वह इस अनचाहे रिकॉर्ड से सिर्फ एक रन के अंतर से बच गई। यह हार भारत की वनडे इतिहास की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इस मैच में भारत की बल्लेबाजी इस कदर खराब रही कि पूरी टीम मिलाकर भी 100 रन नहीं बना सकी। पांच मैचों की सीरीज में भारत अब भी 2–1 से आगे है। सीरीज का आखिरी मुकाबला रविवार को खेला जाएगा।

वनडे में कब–कब 100 से कम स्कोर पर हुए ऑलआउट

ये पहली बार नहीं है जब भारतीय टीम वनडे में 100 से भी कम स्कोर पर ऑलआउट हुई है। भारत का वनडे में सबसे न्यूनतम स्कोर श्रीलंका के खिलाफ शारजाह में 54 रन है। भारत ने इस मैच में वनडे इतिहास का अपना छठा न्यूनतम स्कोर बनाया है। भारत आठ मौकों पर वनडे में 100 से कम स्कोर पर ऑलआउट हुआ है। हालांकि, 2019 के बाद यह पहली बार है जब भारतीय टीम वनडे में 100 रन भी नहीं बना सकी है।

पहले ही ओवर में गंवाए तीन विकेट

34 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। मैट हेनरी ने पारी के पहले ही ओवर में रोहित शर्मा, विराट कोहली और कप्तान श्रेयस अय्यर को पवेलियन भेजकर भारत को बैकफुट पर धकेल दिया। यह पहली बार था जब भारत ने पहले ही ओवर में तीन विकेट गंवा दिए। रोहित पहली गेंद पर फिन एलन को कैच दे बैठे, जबकि विराट चार गेंदों पर खाता नहीं खोल सके। श्रेयस भी पहली गेंद पर एलबीडब्ल्यू आउट हुए। हेनरी ने पहले ओवर में मेडन रखते हुए तीन विकेट झटके।

ताश के पत्तों की ढेर हुआ भारतीय बल्लेबाजी क्रम

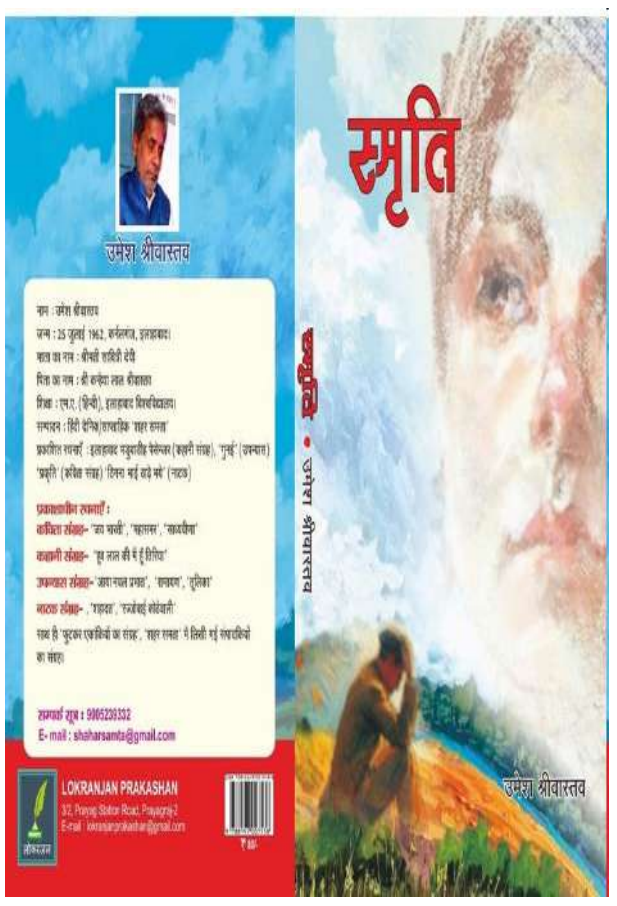
भारत ने पांचवें ओवर में ऋतुराज गायकवाड़ का विकेट भी गंवा दिया। वह 13 गेंदों पर पांच रन बनाकर माइकल ब्रेसवेल को कैच दे बैठे। इस तरह भारतीय टीम ने नौ रन पर चार विकेट गंवा दिए थे। ईशान किशन और अक्षर पटेल ने पांचवें विकेट के लिए 44 रन जोड़े, लेकिन 17.1 ओवर में अक्षर 21 रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें मैथ्यू फिशर ने फिन एलन के हाथों कैच कराया। दिलचस्प बात ये है कि न्यूजीलैंड दौरे पर ये बल्लेबाजी के लिए सबसे अनुकूल पिच थी, लेकिन इसी पिच पर भारतीय बल्लेबाज ढेर हो गए। ईशान किशन ने 53 गेंदों पर 27 रन बनाए। वह 20.1 ओवर में काइल जेमीसन की गेंद पर बोल्ड हुए। इसके बाद भारतीय पारी ज्यादा देर नहीं टिक सकी। आकिब नबी पांच, कुलदीप यादव एक, नमन धीर 21 और गुरनूर बराड़ दो रन बनाकर आउट हुए। नमन ने 24 गेंदों पर दो छक्के लगाए। भारत की पूरी टीम 26.4 ओवर में 89 रन पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 27 रन देकर छह विकेट लिए। यह वनडे में उनका चौथा पांच विकेट हॉल है। मैथ्यू फिशर ने 31 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि काइल जेमीसन को एक सफलता मिली। न्यूजीलैंड ने यह मुकाबला 244 रन से जीत लिया।

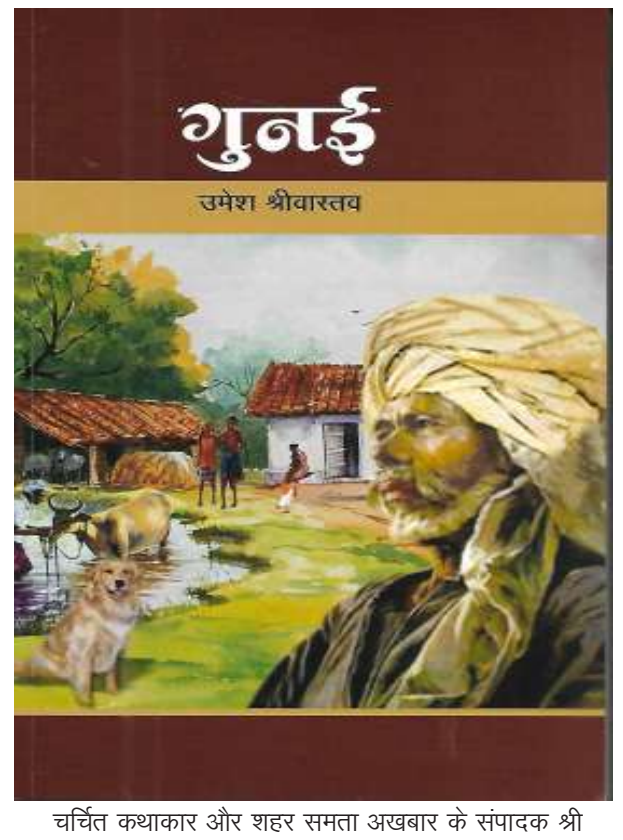
दोस्त ऐसे किसी की साख से नहीं खेलते...: उस्मान ख्वाजा के दावों पर भड़के पैट कमिंस! सैंडपेपर विवाद फिर गरमाया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस और पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा के बीच 2018 के बॉल टेम्परिंग विवाद को लेकर जुबानी जंग तेज हो गई है। ख्वाजा ने अपनी आत्मकथा ऐंइतश में दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान हुए सैंडपेपर विवाद को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। उन्होंने इस मामले में पूरी टीम की जानकारी और जिम्मेदारी पर सवाल उठाए हैं। अब कमिंस ने इन दावों को सिरे से खारिज करते हुए उन्हें श्पूरी तरह बकवासश बताया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान ने यहां तक कहा कि ख्वाजा अपनी किताब में दूसरे खिलाड़ियों की जिंदगी और प्रतिष्ठा के साथ लापरवाही बरत रहे हैं। कमिंस ने स्पष्ट किया कि उन्हें मैदान पर सैंडपेपर ले जाने की किसी योजना की जानकारी नहीं थी। उन्होंने टीम के तेज गेंदबाजी समूह को इस साजिश का हिस्सा बताए जाने पर भी कड़ी आपत्ति जताई। उस्मान ख्वाजा की आत्मकथा श्सबब्रश के सामने आने के बाद ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट में 2018 का सैंडपेपर विवाद एक बार फिर चर्चा में है। ख्वाजा ने अपनी किताब में दावा किया है कि दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान गेंद से छेड़छाड़ की जानकारी केवल उन तीन खिलाड़ियों तक सीमित नहीं थी, जिन्हें बाद में सजा मिली थी। उन्होंने पूरी टीम की जानकारी और जिम्मेदारी को लेकर सवाल उठाए हैं। ख्वाजा ने अपनी किताब में यह भी खुलासा किया कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 सीरीज के दूसरे टेस्ट में पोर्ट एलिजाबेथ (अब गकेबरहा) में भी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों ने सैंडपेपर का इस्तेमाल

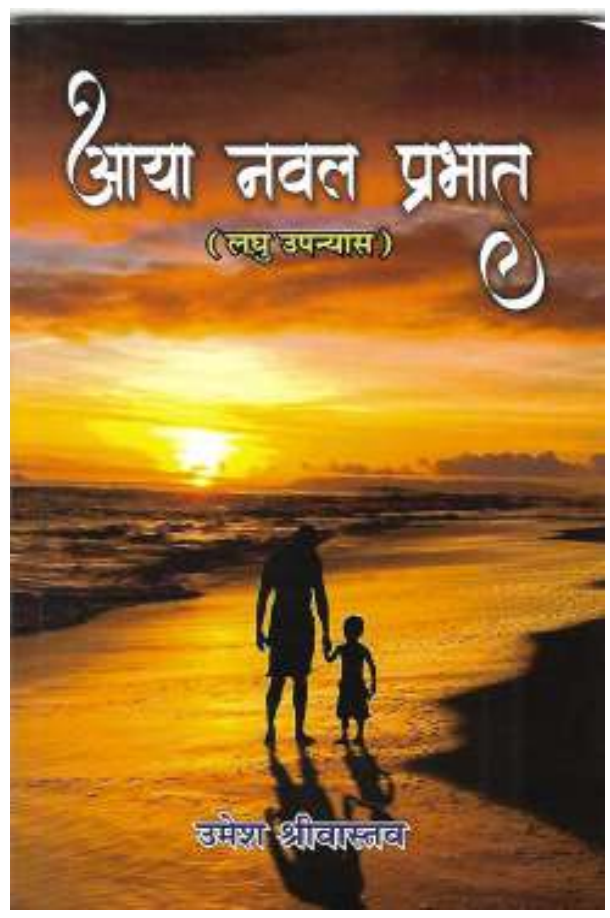


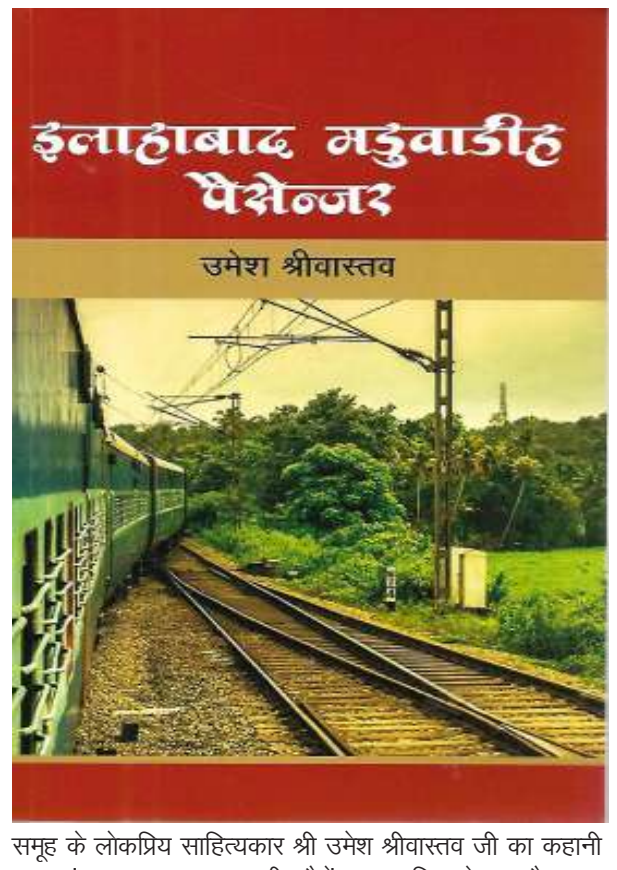
किया था। हालांकि, उस समय यह मामला सामने नहीं आया था। तीसरे टेस्ट में केपटाउन के दौरान कैमरन बेनक्रॉफ्ट को सैंडपेपर से गेंद की स्थिति बदलने की कोशिश करते हुए कैमरे ने पकड़ लिया था। इतना ही नहीं, ख्वाजा ने 2017–18 की घरेलू एशेज सीरीज के दौरान भी गेंद की स्थिति बदलने के लिए क्वार्टर सीम को उठाने की बात कही है। उनके इन खुलासों ने पुराने विवाद को फिर से हवा दे दी है।



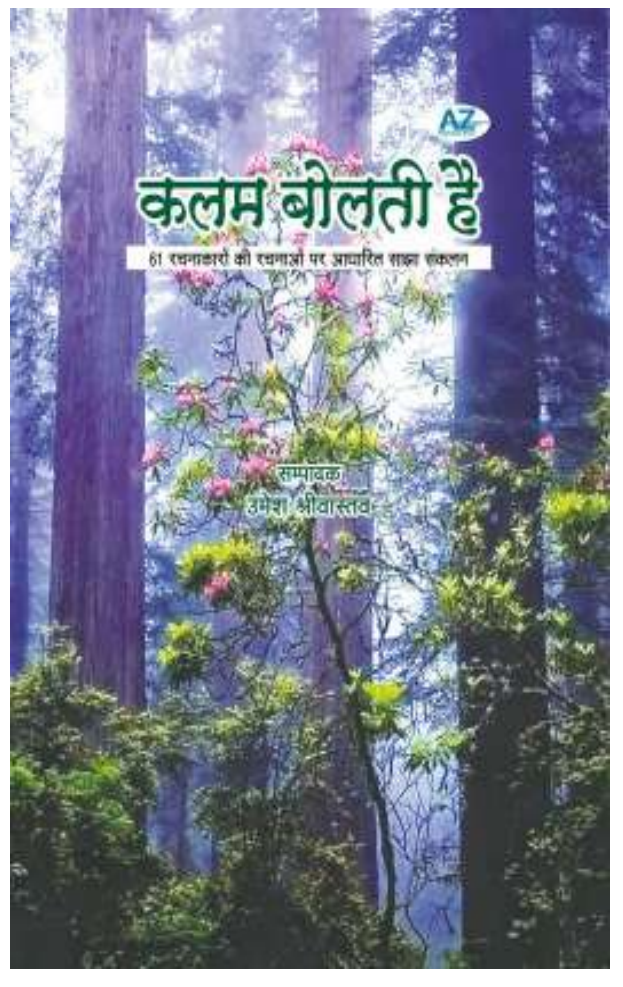


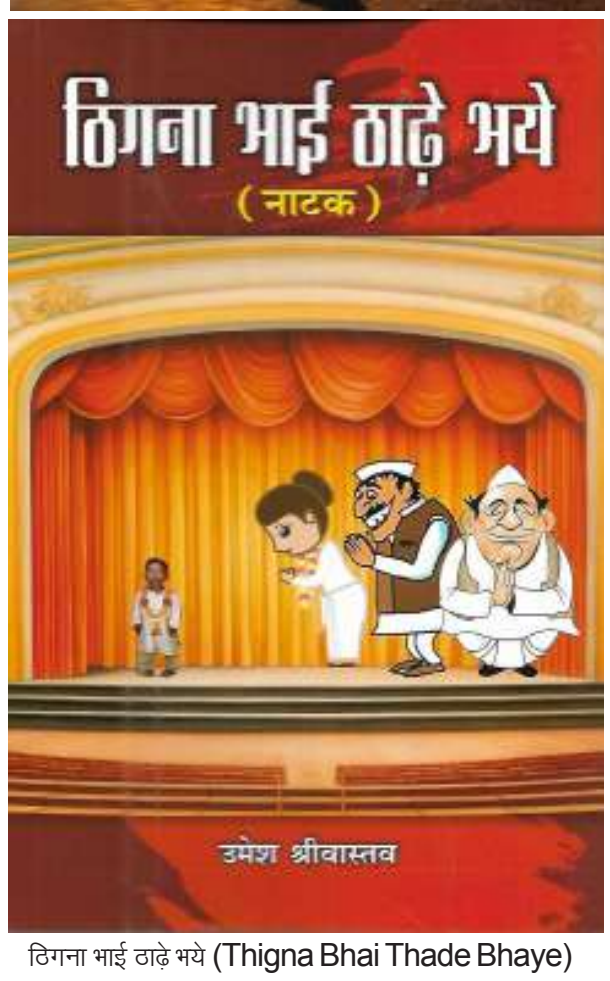
चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित





समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।





ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

एनवीडिया के पूर्व सीईओ जेनसेन हुआंग से जुड़े जासूसी विवाद पर ताईवान में नाराजगी



एनवीडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग अपने जन्मस्थान ताइवान में किसी रॉक स्टार की तरह लोकप्रिय थे। हालांकि, एक कथित चीनी एजेंट के साथ उनके प्रेम संबंधों की अमेरिकी संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) द्वारा जांच शुरू किए जाने के बाद उनकी यह छवि धूमिल हो गई है। दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह ताइवान में भी हुआंग और एलिस हुआंग नाम की एक चीनी कारोबारी महिला के संबंधों को लेकर सामने आए विवाद से लोग हैरान हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने कथित तौर पर एलिस को चीनी जासूस बताया है। वर्ष 2025 में राजधानी ताइपे के एक रेस्तरां में दोनों के जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया और दुनियाभर के समाचार माध्यमों में प्रसारित हुआ। हुआंग ने बृहस्पतिवार को इस्तीफा दे दिया। बुधवार देर रात मीडिया में आई उन खबरों के बाद उनकी मुश्किलें और बढ़ गईं, जिनमें कहा गया था कि एनवीडिया के एक कर्मचारी के साथ भी उनके विवाहेतर संबंध थे और वह कर्मचारी सीधे उन्हें रिपोर्ट करता था। कृत्रिम मेधा (एआई) क्रांति के 63 वर्षीय प्रमुख चेहरों में शामिल हुआंग का जन्म ताइवान में हुआ था। उन्होंने अपने शुरुआती वर्ष वहीं बिताए और बाद में पढ़ाई के लिए अमेरिका चले गए। वह कारोबारी कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए नियमित रूप से ताइवान आते रहे हैं। ताइपे में जेन हुआंग की टोफू पुडिंग की दुकान उन कई रेस्तरां और दुकानों में शामिल थी, जिन्होंने अपने यहां हुआंग के आने की तस्वीरें गर्व से लगा रखी थीं। दुकान की 70 वर्षीय मालिक जेन शिएह इन सनसनीखेज सुर्खियों से हैरान थीं और उन्हें हुआंग के लिए गहरा अफसोस था। उन्होंने कहा कि पहले हुआंग की सार्वजनिक छवि लगभग बेदाग थी। शिएह ने कहा, अगर वह फिर से ग्राहक के रूप में मेरी दुकान पर आते हैं तो स्थिति थोड़ी असहज होगी, क्योंकि अब वह पहले जैसे परिचित व्यक्ति नहीं रहे, जिन्हें हम जानते थे। उनके लिए मेरी भावनाएं बदल जाएंगी। ताइवान के निवासी 72 वर्षीय जेफ हुआंग ने कहा कि कुछ ग्राहक पहले ही दुकानों में लगी हुआंग की तस्वीरें हटाने का सुझाव देने लगे हैं। ताइवान के राष्ट्रपति कार्यालय की प्रवक्ता करेन कुओ ने कहा कि देश की सुरक्षा एजेंसियों को ताइवान में रहने के दौरान इस जोड़े के आने–जाने के कार्यक्रम की पूरी जानकारी है। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, जेनसेन हुआंग मई और जून के बीच दो सप्ताह तक ताइवान में रहे थे और अगस्त में भी कुछ समय के लिए वहां रुके थे। ताइवान की मुख्यभूमि मामलों की परिषद के मंत्री चिउ चुई–चेंग ने बृहस्पतिवार को संवाददाताओं से कहा कि एलिस हुआंग मूल रूप से मुख्यभूमि चीन की रहने वाली हैं, लेकिन उन्होंने ताइवान में हांगकांग की निवासी के रूप में प्रवेश किया था। एलिस ने सिंगापुर स्थित कंपनी मेगास्पीड में निदेशक बनने से पहले एचएसबीसी की हांगकांग स्थित निजी बैंकिंग इकाई और चीन के एक निवेश बैंक में काम किया था। मेगास्पीड ने खुद को एनवीडिया का क्लाउड साझेदार बताया था। ताइवान की केंद्रीय समाचार एजेंसी के अनुसार, इस कारोबारी महिला ने 2024 और 2025 में कुल आठ बार ताइवान में प्रवेश किया था, लेकिन इस साल उसके वहां आने का कोई रिकॉर्ड नहीं है। चिउ ने कहा कि उसकी पहचान सामने आने के बाद अधिकारी कानून के मुताबिक भविष्य में उसके ताइवान आने पर प्रतिबंध लगाएंगे। ताइवान की गृह मंत्री लिउ शिह–फांग ने इससे पहले कहा था कि एलिस हुआंग का प्रवेश परमिट रद्द कर दिया गया है, जिसका मतलब है कि वह अब ताइवान की यात्रा नहीं कर सकतीं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कहा था कि एफबीआई कथित चीनी सरकारी एजेंट के साथ जेनसेन हुआंग के प्रेम संबंधों की जांच कर रही है। हालांकि, ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हुआंग से बात की है और उन्हें विश्वास है कि हुआंग को बिल्कुल भी पता नहीं था कि संबंधित महिला जासूस थी। हुआंग ने अपने विवाहेतर संबंधों को स्वीकार करते हुए एनवीडिया की वेबसाइट पर प्रकाशित एक खुले पत्र में अपनी पत्नी और कंपनी से माफी मांगी है। द न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर दी कि अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने निष्कर्ष निकाला है कि वह महिला बीजिंग के लिए जानकारी जुटा रही थी। बीजिंग ने एलिस हुआंग के चीनी जासूस होने के आरोपों को खारिज करते हुए इन्हें बेबुनियाद बताया है।

संक्षिप्त

पाकिस्तान आर्मी की बड़ी कार्रवाई, सुरक्षा बलों ने 74 आतंकवादियों को किया ढेर

पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनख्वा प्रांतों में खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए विभिन्न अभियानों में सुरक्षा बलों ने कम से कम 74 आतंकवादियों को मार गिराया है। सेना ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सेना की मीडिया इकाई इंटर–सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में बताया कि ये अभियान तीन नवंबर से बलूचिस्तान के क्वेटा जिले के कुर्रम क्षेत्र के अलावा खैबर पख्तूनख्वा के मीर अली और ओरकजई इलाकों में चलाए गए। बयान के अनुसार, इन अभियानों के दौरान आतंकवादियों के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया। मुठभेड़ों में तहरीक–ए–तालिबान के 31 आतंकवादी मारे गए और उनके पास से हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक भी बरामद किए गए। सेना ने बताया कि अलग–अलग अभियानों में पिछले 48 घंटों के दौरान मीर अली में 35 और ओरकजई में आठ आतंकवादी मारे गए। बयान में कहा गया कि आतंकवादी खतरों को खत्म करने और उनके नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए खैबर पख्तूनख्वा में खुफिया जानकारी के आधार पर अभियान चलाए जा रहे हैं। इन अभियानों का दायरा मीर अली और ओरकजई तक बढ़ाया गया है। सेना के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों के पास से बड़ी मात्रा में हथियार, गोला–बारूद और विस्फोटक बरामद किए गए। इनमें घर में बनाए गए विस्फोटक और इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) भी शामिल हैं।

जी20 शिखर सम्मेल तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते का पहला चरण पूरा कर सकते हैं भारत और अमेरिका : निशा बिसवाल

वाशिंगटन। अमेरिका की एक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक ने कहा कि अमेरिका और भारत अगले महीने फ्लोरिडा में होने वाले जी20 शिखर सम्मेलन तक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण को अंतिम रूप देने के इच्छुक हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच फोन पर बातचीत के बाद भारत और अमेरिका ने इस साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण के लिए एक रूपरेखा को अंतिम रूप दिया था। हालांकि, अमेरिका की शुल्क व्यवस्था में बदलाव के कारण बातचीत फिर शुरू हुई, जो अब तक पूरी नहीं हुई है। दक्षिण और मध्य एशिया मामलों की पूर्व सहायक विदेश मंत्री निशा बिस्वाल ने यहां 'पीटीआई–भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा, ''पूरी उम्मीद है कि दोनों पक्ष पहले चरण के समझौते को पूरा करना चाहते हैं। संभवतरू यह जी20 शिखर सम्मेलन तक हो जाएगा।'' जी20 में प्रमुख औद्योगिक और विकासशील अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आती हैं। बारी–बारी से मिलने वाली अध्यक्षता के तहत यह समूह पूरे साल मंत्रिस्तरीय बैठकें आयोजित करता है, जिनका समापन वार्षिक 'लीडर्स समिट' (नेताओं का शिखर सम्मेलन) के साथ होता है। इस बार ट्रंप 14 और 15 दिसंबर को अमेरिका के फ्लोरिडा में होने वाले शिखर सम्मेलन की अध्यक्षता करेंगे। बिस्वाल ने जारी व्यापार वार्ता को ''जटिल'' करार दिया और कहा कि वार्ताकारों को कुछ मुद्दों पर सहमति बनाने की जरूरत है। इनमें कपड़ा जैसे क्षेत्रों में अपने प्रतिद्वंद्वियों की तुलना में भारत को प्रतिस्पर्धात्मक लाभ देने की नयी दिल्ली की मांग भी शामिल है। उन्होंने कहा, ''प्रशासन के लिए यह एक चुनौती होगी कि वे इस मांग को कैसे पूरा करें जबकि उन्हें उन नियमों और साधनों के दायरे में भी रहना है जिनका वे उपयोग कर रहे हैं।'' बिस्वाल ने उम्मीद जताई कि अमेरिका और भारत दोनों ही अमेरिका–भारत गलियारे के महत्व को समझते हैं और उन्हें यह भी पता है कि व्यापार वार्ताकार किसी ठोस नतीजे तक पहुंचने में सक्षम हैं। उन्होंने कहा, ''ये दोनों ही बेहद जटिल अर्थव्यवस्थाएं हैं। इसलिए, यह समझना जरूरी है कि यह कोई बहुत आसान या सामान्य समझौता नहीं है; हम वास्तव में कई पेचीदा मुद्दों को सुलझाने की कोशिश कर रहे हैं।'' बिस्वाल ने कहा कि वर्ष 2025 में शुरू हुए राष्ट्रपति ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के दौरान भारत–अमेरिका संबंधों में उतार–चढ़ाव रहा है। उन्होंने बताया कि इस साल फरवरी में जब मोदी और ट्रंप ने व्यापार समझौते के पहले चरण के ढांचे की घोषणा की और बातचीत ने जोर पकड़ना शुरू किया तो दोनों देशों के बीच संबंध स्थिर हो गए।

मोदी को झुकाने वाला था अमेरिकी मंत्री, अब खुद जासूसी मामले में फंस गया

करीब तीन महीने पहले अमेरिका के ट्रेजरी सेक्रेटरी यह दावा कर रहे थे कि दो महीने में मोदी माफी मांगते हुए यूएस की टेबल पर रहेंगे और गिड़गिड़ाकर वो अमेरिका और भारत के बीच ट्रेड डील है, उस पर सहमति दे देंगे। लेकिन हालत यह हो गई है कि इस ट्वीट के करीब तीन महीने बाद स्थिति ऐसी आ गई कि जो व्यक्ति प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धमका रहा था, वो अब खुद एक मामले में बहुत गंभीर सवालों के घेरे में हैं। मामला अमेरिका के एडवांस चिप को चीन तक भेजने का है। हॉरड लुट्निक का एक ट्वीट है। ये उन्होंने जब किया था, मोदी के लिए साफ तौर पर धमकी भरे लहजे का इस्तेमाल किया गया। ऐसा लग रहा था कि वो भारत को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नाम लेकर नीचा दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन हालत यह हो गई कि जिस व्यक्ति ने ऐसा किया, उसके खिलाफ उसी सरकार के मंत्रियों ने गंभीर आरोप लगाकर अब यह भी हो सकता है कि उसके खिलाफ जांच बिठवा दें।

सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सभी रक्षात्मक कदम उठाएगा पाकिस्तान, सैन्य प्रवक्ता का बड़ा बयान



इस्लामाबाद। पाकिस्तान के एक शीर्ष सैन्य अधिकारी ने कहा है कि उनका देश सऊदी अरब की सुरक्षा के लिए सभी आवश्यक रक्षात्मक कदम उठाने को तैयार है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हाल के महीनों में यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा सऊदी अरब के तेल प्रतिष्ठानों और हवाई अड्डों पर किए गए कई हमलों के बीच पाकिस्तान के सैन्य प्रवक्ता लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने यह बात कही। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून समाचार पत्र की खबर के अनुसार, चौधरी ने बुधवार को एक सऊदी समाचार पत्र को दिए साक्षात्कार में कहा कि सऊदी अरब की सुरक्षा, संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के प्रति इस्लामाबाद की प्रतिबद्धता पूर्ण और अटल है। उन्होंने कहा, मौजूदा परिस्थितियों और सऊदी अरब तथा पाकिस्तान के बीच संयुक्त रणनीतिक रक्षा समझौते एवं मक्का गठबंधन के आधार पर पाकिस्तान साम्राज्य की रक्षा के लिए सभी आवश्यक रक्षात्मक कदम उठाने को तैयार है। पाकिस्तान और सऊदी अरब ने पिछले साल सितंबर में रियाद में रणनीतिक पारस्परिक रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इसके तहत दोनों देशों ने संकल्प लिया था कि किसी एक पर हमला दोनों देशों के खिलाफ आक्रमण माना जाएगा। बाद में दोनों देशों ने तुर्किये के साथ मिलकर मक्का संयुक्त रक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए, जिसके तहत किसी तीसरे देश के हमले की स्थिति में एक–दूसरे का साथ देने की बात कही गई है। चौधरी ने कहा कि समझौतों को लागू करने के लिए सऊदी अरब में सहमत सैन्य बलों और संसाधनों की तेजी से तैनाती, सैन्य तैयारियों का स्तर बढ़ाने, खुफिया जानकारी साझा करने और रक्षात्मक अभियानों में समन्वय जैसे कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी सैनिक पहले से ही सऊदी अरब में तैनात हैं और मुख्य रूप से रक्षात्मक सहायता देने के साथ सैन्य अभ्यास एवं युद्धाभ्यास में हिस्सा लेते हैं। पाकिस्तान सैन्यकर्मियों, प्रशिक्षण और रसद सहायता सहित जरूरी सहयोग जारी रखेगा। हालांकि, उन्होंने अतिरिक्त सैनिकों या हवाई एवं मिसाइल रक्षा प्रणालियों की तैनाती के बारे में कोई ब्योरा नहीं दिया। चौधरी ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों, शहरों और नागरिक एवं आर्थिक बुनियादी ढांचे पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि ये हमले उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए खतरा हैं। उन्होंने कहा, सऊदी अरब और दो पवित्र मस्जिदों की सुरक्षा सर्वोच्च और अटल प्राथमिकता है।

अमेरिकी रक्षा मंत्रीपीट हेगसेथ ने अनुशासन सिखाने वाले सैनिक थॉमस इग्लेसियस को दिया पदक

अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने वेटरन्स डे समारोह के बाद अर्लिंगटन राष्ट्रीय कब्रिस्तान स्थित अज्ञात सैनिक की कब्र' (टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर) में उन्हें और उनके कर्मचारियों को फटकार लगाने वाले सैनिक को शीर्ष सैन्य सम्मान से सम्मानित किया है। हेगसेथ ने बृहस्पतिवार को सोशल मीडिया पर कुछ तस्वीरें साझा कीं, जिनमें वह एक सैनिक को पदक पहनाते और उससे हाथ मिलाते नजर आ रहे हैं। उन्होंने पोस्ट में लिखा, हम सैनिकों से प्यार करते हैं। हम अनुशासन के मानकों का सम्मान करते हैं। बहुत अच्छा किया, स्पेशलिस्ट। पेंटागन के अनुसार, हेगसेथ ने उस सैन्य



इकाई को पेंटागन आमंत्रित किया जो अज्ञात सैनिक के स्मारक की सुरक्षा करती है। उन्होंने सैनिक थॉमस इग्लेसियस को 11 नवंबर 2026 को स्मारक स्थल पर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल प्रदान किया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की मौजूदगी वाले समारोह के बाद जब हेगसेथ और उनके कर्मचारियों ने वहां तस्वीरें खिंचवाईं, तो जोर से हंसने की आवाज सुनाई देने पर इग्लेसियस ने उन्हें फटकार लगाई थी। वीडियो में बुधवार को हेगसेथ अपनी पत्नी जेनिफर, चीफ ऑफ स्टाफ रिकी बुरिया, डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ पैट्रिक वीवर और वरिष्ठ सलाहकार टैमी राडाबॉघ के साथ स्मारक के सामने खाली सीढ़ियों पर तस्वीरें खिंचवाते दिखाई दिए। अज्ञात सैनिक का स्मारक अमेरिका के सबसे गंभीर और सम्मानित युद्ध स्मारकों में से एक माना जाता है। यह प्रथम विश्व युद्ध, द्वितीय विश्व युद्ध और कोरियाई युद्ध में शहीद हुए उन सैनिकों का अंतिम विश्राम स्थल है, जिनकी पहचान नहीं हो सकी थी।

वर्ष 1948 से अमेरिकी सेना की तीसरी इन्फैंट्री रेजिमेंट का एक सैनिक चौबीसों घंटे, हर मौसम में इसकी सुरक्षा करता है। इस रेजिमेंट को द ओल्ड गार्ड के नाम से भी जाना जाता है। ज्वाइंट सर्विस कमेंडेशन मेडल को सेना के उच्च सम्मानों में गिना जाता है और आमतौर पर यह कनिष्ठ सैनिकों को नहीं दिया जाता। पेंटागन के मुख्य प्रवक्ता सीन पार्नेल ने फटकार का वीडियो सामने आने के बाद कहा था कि सैनिक ने सभी को उचित व्यवहार बनाए रखने की सही और सम्मानजनक तरीके से याद दिलाई।

भारत ने दिया जोर का झटका, चीन जाने वाले इस बेशकीमती खजाने पर लगाया बैन



आज की तारीख में दुनिया की सबसे बड़ी जंग जमीन, सीमा या हथियारों से नहीं बल्कि खनिजों से लड़ी जा रही है। वो खनिज जो आपकी जेब में रखे स्मार्टफोन से लेकर सड़कों पर दौड़ते हुए इलेक्ट्रिक कारों तक हर चीज को ताकत दे रही है। इसे कहते हैं क्रिटिकल मिनरल्स यानी कि दुर्लभ और रणनीतिक खनिज। इस पूरी दुनिया में जो देश सबसे बड़ा खिलाड़ी इसको लेकर बना बैठा है वो चीन है। लेकिन 10 नवंबर को भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के विदेश व्यापार महानिदेशालय यानी कि डीजीएफटी ने बड़ा आदेश जारी किया और भारत ने लिथियम आयन बैटरी के कचरे यानी कि ब्लैक मास के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से पूरी तरीके से पाबंदी लगा दी। यह नीति पहले मुक्त थी जिसे अब बदलकर प्रतिबंधित कर दिया गया है।

ब्लैक मास आखिर क्या होता है?

जब हमारे स्मार्टफोन, लैपटॉप, दो पहिया और चार पहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की लिथियम आयन बैट्रियां पूरी तरीके से खत्म हो जाती हैं। खराब हो जाती हैं या कचरे में तब्दील हो जाती हैं तो उन्हें मशीनों में प्रोसेस किया जाता है। थोड़ा और क्रश किया जाता है। इस प्रक्रिया के बाद एक काले रंग का महीन पाउडर बचता है। तकनीकी और कारोबारी दुनिया में इसी को ब्लैक मास्क कहा जाता है। यह सिर्फ कोई कचरा नहीं होता है बल्कि खनिजों की खान होती है। इस एक काले पाउडर में क्या–क्या होता है उसे समझते हैं। आपको बता दें कि इसमें लिथियम यानी कि बैटरी का दिल होता है। कोबाल्ट, निके,मैंगनीज, ग्रेफाइट और सिलिकॉन। जब इस ब्लैक मास्क को वैज्ञानिक तरीके से रिसाइकल किया जाता है और रिफाइन किया जाता है तो इससे 95 से लेकर 99: शुद्ध लिथियम निके और कोबाल्ट दोबारा हासिल कर लिया जाता है। यानी कि जमीन खोदकर नई खदान तलाशे बिना ही रिसाइक्लिंग के जरिए नई बैटरी बनाने का पूरा का पूरा रॉ मटेरियल इसी कचरे से बाहर निकल आता है। इसलिए इसे सर्कुलर इकॉनमी का ब्लैक गोल्ड कहा जाता है। और अब भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय के डीजीएफटी ने भारत से इसी ब्लैक मास्क के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है।

पूरे मामले में चीन का एंगल क्या है?

अगर आज दुनिया में 100 टन बैटरी कचरे की रिसाइक्लिंग हो रही है तो उसमें से 75: से ज्यादा क्षमता सिर्फ अकेले चीन के पास है। चीन ने पिछले दो दशकों में अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और खुद अपने देश में ऐसे विशालकाय रिफाइनरियों को खड़ा कर लिया है कि दुनिया भर का बैटरी कचरा समेटकर चीन पहुंचता है। भारत से भी हर महीने सैकड़ों टन ब्लैक मास्क बिना किसी रोक–टोक के सस्ते दामों पर चीन और अन्य देशों को निर्यात हो रहा था। चीन हमारे इस कचरे को खरीदता था। अपनी फैक्ट्रियों में उसमें से लिथियम, कोबाल्ट और निकेल को निकालता था और फिर उसे नई बैटरी सेल बनाकर भारत और बाकी दुनिया को महंगे दामों पर बेच रहा था। यानी कि भारत का अपना रणनीतिक संसाधन कौड़ियों के भाव में बाहर जा रहा था और हम अपनी ही बैट्रियों के लिए चीन के आगे हाथ फैलाने को मजबूर हो रहे थे।

संसद में भारी उद्योग मंत्रालय और एसआईएम यानी कि सोसाइटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स के आंकड़ों के मुताबिक भारत आज अपनी जरूरत का लगभग 100: लिथियम आयात करता है। ऐसे में जब भारत ने अपनी सीमाओं से बैटरी स्क्रैप बाहर भेजने पर ताला जड़ दिया है तो चीन की रिसाइक्लिंग इकाइयों को कच्चा माल यानी कि फीड स्टॉक की भारी किल्लत का सामना करना पड़ सकता है। चीन की 75: ग्लोबल मोनोपोली की नस पर भारत ने ठीक उसी समय हाथ रखा है। जैसे कुछ ही महीनों पहले अमेरिका और यूरोपीय संघ ने ऐसे ही कदम उठाए थे। भारत सरकार का यह फैसला कोई अचानक लिया गया फैसला नहीं है। बल्कि इसके पीछे एक सोची समझी रणनीति है। सरकार जानती है कि अगर यह कचरा देश में ही रोक लिया गया तो उसे प्रोसेस करने के लिए फैक्ट्रियां भी चाहिए होंगी। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने हाल ही में जबरदस्त नीतियां जमीन पर उतारी है। जिसमें पहली स्कीम है 2814 करोड़ की कॉम्पैक्ट सपोर्ट स्कीम। हाल ही में केंद्रीय कैबिनेट ने क्रिटिकल मिनरल प्रोसेसिंग के लिए घ्2814 करोड़ की योजना को मंजूरी दी है। इसका सीधा मकसद देश के भीतर लिथियम और निकेल की हाईटेक प्रोसेसिंग यूनिट्स और रिफाइनरी स्थापित करना है।

नदी पर बने ड्रॉब्रिज से मालवाहक जहाज टकराया

डेलवेयर नदी पर बने एक पुल से बृहस्पतिवार को एक मालवाहक जहाज के टकराने से न्यू जर्सी के पाल्मायरा और फिलाडेल्फिया के बीच यातायात बाधित हो गया। पेंसिल्वेनिया के एक जन प्रतिनिधि ने यह जानकारी दी।



प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।